संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 251 रविवार 13 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

फडणवीस के मंत्री का आईटी नोटिस के बीच नोटों से भरे बैग वाला वीडियो वायरल

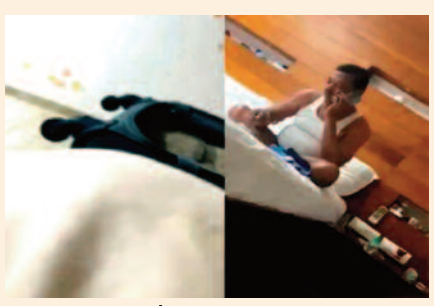

नागपुर,12 जुलाई 2025(ए)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता संजय शिरसाट की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। संपत्ति में अचानक हुई बढ़ोतरी को लेकर आयकर विभाग के नोटिस का सामना कर रहे शिरसाट का अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है,जिसने महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल ला दिया है। इस वायरल वीडियो में मंत्री संजय शिरसाट शॉर्ट्स और बनियान पहने हुए बिस्तर पर बैठे सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। वह किसी से फोन पर बात कर रहे हैं और उनके बगल में एक ट्रॉली बैग खुला पड़ा है, जिसमें नोटों की गड्डियां भरी हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उनका पालतू कुत्ता भी नजर आ रहा है।

पाक अब नेपाल के रास्ते भारत को दहलाने की तैयारी

जैश और लश्कर के प्लान का हुआ खुलासा

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025(ए)। पिछले दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं, और अब नेपाल की ओर से आई चेतावनी ने खतरे की गंभीरता को और भी बढ़ा दिया है। नेपाल के एक शीर्ष अधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मजैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा नेपाल की ज़मीन का इस्तेमाल भारत में हमले करने के लिए कर सकते हैं।

बिहार में हर परिवार को मिलेगी 100 यूनिट फ्री बिजली

» विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार देगी जनता को तोहफा

पटना,12 जुलाई 2025(ए)। बिहार में आगामी 2025 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता को राहत देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नीतीश सरकार ने राज्य के हर परिवार को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना बनाई है।

राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता के सबूत पेश

लखनऊ,12 जुलाई 2025(ए)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता से जुड़ी जनहित याचिका में याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने लखनऊ हाईकोर्ट में रिठ्यू

पिटीशन दाखिल की है। इसमें लंदन, वियतनाम और उज्बेकिस्तान से मिले नए वीडियो और दस्तावेज पेश किए गए हैं। इस मामले में चुनाव आयोग,प्रवर्तन निदेशालय,आयकर विभाग,रिटर्निंग ऑफिसर रायबरेली और लोकसभा अध्यक्ष को भी पक्षकार बनाया गया है।

विमान हादसे की एक महीने बाद आई रिपोर्ट

एक महीने बाद भी कई सवाल अब भी हैं बरकरार...

अहमदाबाद,12 जुलाई 2025 (ए)। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरते ही एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत पर जा गिरी। दोपहर 1:39 पर टेक ऑफ करने वाली फ्लाइट 2:40 तक क्रैश हो चुकी थी। हादसे में 241 यात्रियों और क्रू मेंबर्स की जान गई। इनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। एकमात्र जीवित यात्री हैं रमेश कुमार विश्वास।

ब्लैक बॉक्स मिला, शुरुआती रिपोर्ट भी...

दुर्घटना के अगले दो दिनों में फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिए गए। जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो कर रही है। चूंकि विमान अमेरिकी कंपनी का था, अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड भी अलग से जांच कर रहा है।

फ्यूल स्विच ऑफ कैसे हुआ?

ब्लैक बॉक्स के डेटा से इतना जरूर साफ है कि दोनों इंजन के फ्यूल स्विच बंद हुए थे। अमेरिका के एविएशन एक्सपर्ट जॉन कॉक्स के मुताबिक, ये स्विच इतने संवेदनशील नहीं होते कि यूं ही छूने से ऑफ हो जाएं। उन्हें ऑन/ऑफ करने के लिए स्पष्ट मूवमेंट चाहिए। ड्रीमलाइनर में फ्यूल कटऑफ होते ही इंजन को ताकत मिलनी बंद हो जाती है। नतीजा विमान की बिजली सप्लाई रुक सकती है,कॉकपिट के सिस्टम बंद हो सकते हैं। जांचकर्ता मान रहे हैं कि शायद पायलट ने इमरजेंसी के दौरान फ्यूल स्विच दबाया होगा।

आरएटी एक्टिव मिला,यानी दोनों इंजन बंद थे...

शुरुआती रिपोर्ट में एक और अहम बात सामने आई है कि क्रैश के वक्त एयरक्राफ्ट में रैम एयर टरबाइन एक्टिव थी। इसका मतलब ये कि दोनों इंजन पूरी तरह बंद हो चुके थे और विमान आपातकालीन बैकअप पावर पर चल रहा था। बोइंग की मानक प्रक्रिया के मुताबिक, डुअल इंजन फेल होने की स्थिति में पायलट को फ्यूल स्विच ऑन/ऑफ कर ईईसी रीसेट करना होता है इसे विंडमिल स्टार्ट कहा जाता है। लेकिन इतनी कम ऊंचाई (650 फीट) पर दोबारा इंजन स्टार्ट कर पाना लगभग नामुमकिन था।

क्या कोई साजिश थी?

28 जून को नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा था कि जांच हर एंगल से हो रही है, जिसमें साजिश की आशंका को भी खंगा जा रहा है। ब्लैक बॉक्स की जांच भारत में ही हो रही है। तीन महीने में विस्तृत रिपोर्ट आने की उम्मीद है।

सभी ड्रीमलाइनर की जांच हुई, खतरा नहीं: सरकार

डीजीसीए के आदेश पर एयर इंडिया के सभी 33 ड्रीमलाइनर की जांच की गई है। मंत्री मोहोल के मुताबिक, सभी विमान सुरक्षित पाए गए हैं। यात्रियों को घबराने की जरूरत नहीं है।

इंजन में खराबी नहीं, तो फिर क्या हुआ?

अब तक की जांच में बोइंग 787 ड्रीमलाइनर और उसके जीई एयरोस्पेश इंजनों में कोई तकनीकी खराबी नहीं पाई गई है। वाल स्ट्रीट जॉरनल की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाइट टेक ऑफ के तुरंत बाद दोनों इंजनों के फ्यूल सप्लाई स्विच ऑफ कर दिए गए थे यही थ्रस्ट खत्म होने की वजह बनी। ये वही स्विच होते हैं जिन्हें पायलट सामान्यतः इंजन स्टार्ट या इमरजेंसी सिचुएशन में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये गलती से दब गए, जानबूझकर ऑफ किए गए, या किसी खराबी की वजह से अपने आप बंद हो गए?

51,000 से अधिक युवाओं को दिए नियुक्ति-पत्र

प्रतिभा और योग्यता ही नौकरी की राह खोलती..

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025(ए)। देश के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेलों का आयोजन हुआ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 51,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं से बातचीत में पीएम ने कहा कि सरकार का ध्येय भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और ईमानदार बनाना है। उन्होंने अपने मंत्र बिना पर्ची,बिना खर्ची को दोहराते हुए कहा कि केवल प्रतिभा और योग्यता ही नौकरी की राह खोलती है।

राष्ट सेवा है साझा लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भले ही युवाओं के कार्यक्षेत्र अलग हों, उनका एकमात्र लक्ष्य राष्ट्र सेवा है। ये युवा देश की प्रगति के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

रोजगार मेले का मकसद

केंद्र सरकार का यह अभियान युवाओं को तेजी से और निष्पक्ष तरीके से सरकारी नौकरियां देने के लिए शुरू किया गया है। इस पहल ने लाखों युवाओं को रोजगार दिलाया और यह भरोसा जगाया कि मेहनत और काबिलियत ही सफलता की कुंजी है।

युवा बनाएंगे देश को और मजबूत

पीएम मोदी ने कहा कि विभिन्न विभागों में शामिल होने वाले ये युवा देश के विकास को नई गति देंगे। कुछ देश की सुरक्षा को अटल बनाएंगे, तो कुछ सबका साथ,सबका विकास के संकल्प को साकार करेंगे। वित्तीय समावेशन और औद्योगिक प्रगति में भी ये युवा अहम भूमिका निभाएंगे।

इसरो ने किया सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025 (ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गगनयान मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसरो ने शनिवार को बताया कि सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का विकास और सभी जरूरी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे हो गए हैं। शुक्रवार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (6 मिनट) का हॉट टेस्ट किया गया, जिसमें यह जांचा गया कि मिशन में गड़बड़ी होने पर मिशन एबॉर्ट स्थिति में सिस्टम सही काम करता है या नहीं। गगनयान भारत का

पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है। इसरो के अनुसार, एसएमपीएस दो प्रकार के ईंधन से संचालित होता है और रॉकेट को सही कक्षा में पहुंचाने,दिशा नियंत्रण,गति कम करने और आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने में मदद करता है।

भरभराकर गिरी 4 मंजिला इमारत,कई लोग दबे

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025 (ए)। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार को एक चार मंजिला इमारत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। मलबे में 12 लोगों

के दबे होने की आशंका है। यह इमारत वेलकम इलाके के सीलमपुर ईदगाह रोड पर गिरी है। फिलहाल, दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और बचाव अभियान जारी है। गनीमत रही कि अभी तक किसी भी तरह की जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

सात दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद कैप्सूल से आएंगे बाहर

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025(ए)। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से धरती पर लौट सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि शुभांशु पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनका मनोबल ऊंचा है। वे भारत के पहले गगनयात्री हैं, जो 14 दिन के एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पर गए। इस मिशन में नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों और एक्सआईओम स्पेस का सहयोग है। शुभांशु 14 जुलाई को मिशन कमांडर पेगी व्हिटसन, स्लावोस वुजनस्की और टिबोर कापू के साथ ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर लौटेंगे। यह यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरेगा। लौटने के बाद शुभांशु सात दिन के पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरेंगे, ताकि वे पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुकूल ढल सकें। इसरो के फ्लाइट सर्जन उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की निगरानी करेंगे।

खाटूश्यामजी में सरेआम गुंडागर्दी, सिर फूटे,महिलाएं चीखती रहीं

सीकर/जयपुर ,12 जुलाई 2025(ए)। राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी एक बार फिर आस्था के बजाय अव्यवस्था और हिंसा को लेकर सुर्खियों में है। सीकर जिले के रींगस स्थित खाटूश्याम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और दुकानदारों के बीच हुई हिंसक झड़प का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग एक-दूसरे पर बेरहमी से लाठी-डंडे बरसाते दिख रहे हैं, जिससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल हो रहे वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह युवकों और दुकानदारों की भीड़ एक-दूसरे पर टूट पड़ी। इस दौरान महिलाएं चीखती-चिल्लाती रहीं, लेकिन मारपीट नहीं रुकी। भगदड़ जैसे माहौल के बीच जो भी सामने आया, उसे पीटा गया। इस हिंसक झड़प में कुछ लोगों के सिर फूटने और कई के घायल होने की खबर है। मारपीट इतनी भीषण थी कि श्रद्धालु अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

भविष्य में नहीं लड़ूंगा कोई चुनाव

केंद्रीय मंत्री का बड़ा ऐलान

संबलपुर,12 जुलाई 2025(ए)। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री और ओडिशा के वरिष्ठ भाजपा नेता जुएल उरांव ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम में जुएल उरांव ने घोषणा की कि वो अब भविष्य में कोई प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ेंगे। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव ओडिशा के संबलपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने ऐलान करते हुए कहा, मैंने तय किया है कि अब कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। अब मैं पार्टी के लिए काम करूंगा और युवाओं को आगे लाने में मदद करूंगा।

कांवड़ यात्रा तक रिलीज रोकने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025(ए)। 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म की रिलीज कांवड़ यात्रा तक रोकने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है. दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद फिल्म की रिलीज से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंचा था। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर एक टिप्पणी दी. कहा, पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट इस पर आदेश दे चुका है इसलिए इस मांग पर हम कोई सुनवाई नहीं करेंगे।

ईसाई मिशनरी से भी था छांगुर बाबा का संपर्क

नई दिल्ली,12 जुलाई 2025(ए)। छांगुर बाबा की साजिश का खुलासा परत दर परत हो रहा है। पूछताछ में लगातार बड़े-बड़े खुलासे हो रहे हैं। नया खुलासा ये है कि छांगुर बाबा की सांठगांठ सिर्फ कुछ कट्टरपंथी संगठनों से ही नहीं थी, बल्कि वो नेपाल सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के सात संवेदनशील जिलों में सक्रिय ईसाई मिशनरियों के साथ भी मिला हुआ था। बताया जा रहा है कि छांगुर बाबा ने ईसाई मिशनरियों के लोगों को पैसे देकर उनसे दलित, वंचित, बीमार और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों की जानकारी लेता था। फिर उनकी मदद करने के बहाने उनका ब्रेनवॉश कर उनका धर्मांतरण करता था।

गिरते पुल,ढहती जिम्मेदारियाँ
बुनियादी ढांचे की सड़न और सुधार की जरूरत

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

वडोदरा में पुल गिरना कोई अकेली घटना नहीं,बल्कि भारत के जर्जर होते बुनियादी ढांचे की डरावनी सच्चाई है। पुरानी संरचनाएं,घटिया सामग्री,भ्रष्टाचार और निरीक्षण की अनुपस्थिति—यह सब मौत को दावत दे रहा है। राजनीतिक घोषणाएं तो बहुत होती हैं,लेकिन टिकाऊ निर्माण और जवाबदेही की योजनाएँ नदारद हैं। अब वक्त है कि सरकार केवल निर्माण नहीं, निरीक्षण और संरक्षण को भी प्राथमिकता दे। वरना पुल ही नहीं, जनता का भरोसा भी बार-बार ढहेगा। विकास सिर्फ रफ्तार नहीं, मज़बूत नींव और ज़िम्मेदारी मांगता है—जो अभी बहुत कमज़ोर है।

वडोदरा में 40 साल पुराने पुल का हालिया ढहना न केवल एक स्थानीय त्रासदी है,बल्कि यह पूरे भारत के बुनियादी ढांचे की बिखरती हकीकत की नुमाइश है। ऐसे हादसे अब चौंकाते नहीं,बल्कि लगातार दोहराए जाने वाले सिस्टम फेल्योर के आदतन प्रमाण बन चुके हैं। हर बार हादसे के बाद वही रटे-रटाए बयान,वही दिखावटी जांच कमेटी, और फिर वही खामोशी— जब तक अगला पुल न गिर जाए। भारत विकास के पथ पर दौड़ रहा है, लेकिन इस दौड़ में जिन सड़कों, पुलों और इमारतों पर यह प्रगति टिकी है,वे खुद कब की चरमराने लगी हैं। सवाल यह नहीं कि वडोदरा में पुल क्यों गिरा, सवाल यह है कि देशभर में ऐसे कितने और पुल गिरने की कगार पर हैं और हमने अब तक उनसे क्या सीखा? भारत में बीते एक दशक में सार्वजनिक बुनियादी ढँाचे के ढहने की घटनाओं की एक लंबी सूची है। 2016 में कोलकाता का विवेकानंद फ्लाईओवर निर्माण के दौरान ही गिर गया, जिसमें 27 लोगों की जान गई। 2018 में वाराणसी में एक पुल का हिस्सा ढहने से कई लोग मारे गए। 2022 में गुजरात के मोरबी में केबल ब्रिज गिरने से 130 से अधिक लोग मारे गए। और अब 2024 में वडोदरा में पुल गिरा। इससे पहले बिहार,उत्तराखंड, हिमाचल और असम में भी पुल ढहने की घटनाएं हुई हैं।

इन हादसों का पैटर्न स्पष्ट है – पुरानी संरचना, घटिया निर्माण सामग्री, लचर निरीक्षण व्यवस्था और पूरी तरह से अनुपस्थित जवाबदेही।भारत के अधिकांश पुल,इमारतें और सार्वजनिक संरचनाएं 30 से 60 साल पहले बनी थीं। उस समय न तो जलवायु परिवर्तन की मार इतनी तीव्र थी,न ही ट्रैफिक और जनसंख्या का भार इतना अधिक। परंतु इन्हें कभी समय रहते मरम्मत नहीं मिली। बन गया तो बन गया की मानसिकता ने इन ढांचों को धीरे-धीरे मौत के कुएं में बदल दिया। टेंडर प्रक्रिया में सबसे कम बोली लगाने वाले ठेकेदार को ठेका देना,फिर उसी ठेकेदार का बजट काटना, सस्ती सामग्री का उपयोग करना— यह सब इतना आम हो चुका है कि हम इसे भ्रष्टाचार मानना ही भूल गए हैं। यह एक संस्थागत भ्रष्टाचार है जिसमें प्रशासन,ठेकेदार और कभी-कभी राजनेता भी शामिल होते हैंक्या कभी आपने किसी पुल के पास बोर्ड देखा है जिस पर लिखा हो—यह पुल अंतिम बार कब जांचा गया था? शायद ही कभी। कारण स्पष्ट है—निरीक्षण नाम की प्रक्रिया कागजों में सिमट चुकी है। टेक्नोलॉजी का युग होने के बावजूद भारत के पास कोई केंद्रीकृत पुल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में असामान्य बारिश, बाढ़,अत्यधिक गर्मी और भूकंप जैसी घटनाओं में तेजी आई है। लेकिन हमारे अधिकांश ढांचों का डिज़ाइन इन नई चुनौतियों को ध्यान में रखकर नहीं हुआ था। कमजोर नींव,जल निकासी की खराब व्यवस्था और भूस्खलन की अनदेखी इसका परिणाम है। भारत में बुनियादी ढांचे को राजनीतिक स्टंट के रूप में तो खूब इस्तेमाल किया जाता है,लेकिन दीर्घकालीन संरचनात्मक मजबूती की कोई गंभीर योजना शायद ही कहीं देखी जाती है। फिट फॉर फोटो परियोजनाएं बनती हैं, जो जल्दी ढह भी जाती हैं। हर साल सरकारें इंफ्रास्ट्रक्चर पर हजारों करोड़ का बजट पास करती हैं। पुल निर्माण, सड़क विस्तार, शहरी आवास योजना जैसी परियोजनाओं में भारी निवेश होता है। लेकिन यह बजट वास्तव में कहाँ जाता है? यदि पुल गिर रहा है तो इसका मतलब है कि या तो बजट जमीनी स्तर तक पहुँचा ही नहीं, या उसका दुरुपयोग हुआ।

भारत में अब विकास की चर्चा अर्थव्यवस्था की रफ्तार से नहीं, गिरने वाले पुलों की संख्या से होनी चाहिए।अगर हमें भारत को सुरक्षित, सतत और सशक्त बनाना है तो हमें बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता सुनिश्चित करनी ही होगी।

बीस साल से अधिक पुराने सभी पुलों, इमारतों, फ्लाईओवर आदि का हर तीन वर्ष में एक बार स्वतंत्र संरचनात्मक परीक्षण अनिवार्य किया जाए। इसके निष्कर्ष सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हों।

एक स्वतंत्र राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा निरीक्षण प्राधिकरण का गठन किया जाए जो केवल निरीक्षण, रेटिंग और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार हो। इसकी रिपोर्ट सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त हो।पुलों में कंपन,भार, तापमान आदि की निगरानी के लिए सेंसर लगाए जाएं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली किसी भी अनियमितता पर तुरंत चेतावनी दे सकती है। अब समय है कि टेंडर प्रणाली को केवल न्यूनतम बोली पर आधारित होने से रोका जाए। गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और पूर्व प्रदर्शन के आधार पर निर्माण एजेंसियों का चयन होना चाहिए।

स्थानीय निकायों को छोटे ढांचों की निगरानी में भागीदार बनाया जाए। ग्रामीण और शहरी स्तर पर नागरिकों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे संभावित जोखिम की जानकारी समय रहते दे सकेंहर संरचना को जलवायु परिवर्तन के खतरों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया जाए। भारतीय मानक ब्यूरो और सड़क विकास परिषद जैसे संस्थानों के मानकों को सख्ती से लागू किया जाए।जहां सरकार की नीयत कमजोर होती है, वहाँ मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पुल गिरने के बाद कवरेज तो होता है, पर क्या हमने कभी उस निर्माण एजेंसी का नाम याद रखा? क्या किसी ठेकेदार पर आपराधिक मामला दर्ज हुआ?आरटीआई कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों को साथ लाकर एक जन-जवाबदेही मॉडल बनाना ज़रूरी हैतेजी से हो रहे शहरीकरण और विकास की होड़ में भारत कहीं सुरक्षा और स्थिरता को नजरअंदाज कर रहा है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है– क्या हम केवल पुल बना रहे हैं या विश्वास के पुल भी बना रहे हैं? क्योंकि जब कोई पुल गिरता है तो सिर्फ कंक्रीट नहीं टूटता, जनता का प्रशासन पर से विश्वास भी चकनाचूर हो जाता है।भारत का भविष्य शानदार हो सकता है, लेकिन उसके लिए नींव का मजबूत होना जरूरी है। वडोदरा का पुल गिरा है, कल कहीं और गिरेगा – अगर हमने अपनी दृष्टि और नीति नहीं बदली। हमें प्रतिक्रियात्मक शासन से आगे बढ़कर सक्रिय बुनियादी ढांचा नीति की ओर बढ़ना होगा। नहीं तो हम हर साल पुलों की कब्रगाहें बनाते रहेंगे और नागरिकों की लाशें उठाते रहेंगे। बुनियादी ढांचे को केवल निर्माण की दृष्टि से नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा के आधार पर देखना होगा। केवल निर्माण नहीं,संरक्षण और सुधार की नीति ही देश को टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

संपादकीय
आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका न्यूजवीक' के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही। जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे। साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है,इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है,बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

नैतिकता और संवेदनाएं? स्त्रियों,बच्चों का शोषण शर्मनाक

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

गुरुग्राम में पिता ने अपने दर्प, घमंड के कारण अपनी जवान पुत्री गोली मारकर हत्या कर दी। पूरे देश में स्त्रियों बच्चियों पर अत्याचार व शोषण की अनेक घटनाएं लगभग रोज सामने आ रही है समाज का ताकतवर पुरुष वर्ग संवेदनहीन हो चुका है और चेतना स्खलित हो चुकी है। विगत वर्ष मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक,सामाजिक शोषण देश के लिए एक काला अध्याय है। हम अपने पशुओं के व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। देश के कोने कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाये अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है। धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं। भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादती और अत्याचार की शिकार होती रहे।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही हैद्य शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय समाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है। भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति,कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

कविता
बोलो प्रेम से हर-हर महादेव...

घटती-घटना

मोनिका डागा
चेन्नई
तमिलनाडु

आया आया है देखो सावन छम-छम,
बाजे भोले बाबा का डमरू डम-डम,
भक्त शिव पूजन को चले हो मतवाले,
जोर शोर से बोले जयकारा बम-बम ।
मेघों ने जल बरसाया धिनक धिन-धिन,
बूँदों ने संग गीत गाया तिनक तिन-तिन,
हमारे तो श्रीकंठ महादेव ही हैं रखवाले,
झूमें भक्ति में भक्त धिनक धिन-धिन ।
मन भावन पवन बहे सुहानी सर-सर,
झिंगूर, मेढ़क, पपीहरा बोले टर-टर,
विनती सुनो भोले नाथ ओ डमरू वाले,
शिव अनंत शंभु कृपा अनंता हर-हर ।
ढोलक, मंजीरे,मृदंग करे हैं झम-झम,
घुँघरू बाजे शिवगण भी नाचें छम-छम,
भव सिंधु से पार लगाएँगे बाघम्बर वाले,
जपे जा नमःशिवाय मंत्र दमा दम-दम ।
बोलो प्रेम से हर हर महादेव बम-बम,
सच्ची श्रद्धा से दुख होगें सारे कम-कम,
आनंद औघड़नाथ है जटा जूट वाले,
भूल जा शिव भक्ति में सारे गम-गम ।

कविता
मेरा तो कुछ भी नहीं...

घटती-घटना

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

मैं तो बिल्कुल पागल था जोकि
मेरा मेरा कहने में जिंदगी गुजार दी
असल में मेरा कुछ भी नहीं है।
जो यह मेरा सुंदर शरीर है ना यह
भी मेरे मां-बाप का दिया हुआ है।
जो मैं खुद को अकलमंद समझता हूं ना
मां-बाप और गुरुओं से मिली है मुझे।
जिस बढ़िया मकान में रह रहा हूं मैं
यह भी मुझे मां बाप ने बना दिया है।
जो मेरे बेटे और बेटी है ना उनको भी
नए रिश्ते मुझसे छीन ही लेंगे आखिर में।
मेरा बेटा पत्नी का होकर अलग हो जाएगा
और मेरी बेटी को मेरा दामाद ले जाएगा।
जो शरीर परमात्मा ने दिया है ना मुझको
एक दिन वह पंचत्व में विलीन हो जाएगा।
उम्र भर की मेहनत के बाद जो मैंने पैसा
कमाया है उस पर बच्चों का हक हो जाएगा।
दुनिया का यह गोरख धंधा देखकर मुझको
समझ में आया है यहां तो कुछ भी मेरा नहीं।
न तन मेरा है,न धन मेरा है,न औलाद मेरी है
ऐसा लगता है दुनिया में सजा भोगने आया था
दुनिया के फिजूल के फिजूल के लफ्ड़ों में
पड़ने से अच्छा मैं राम नाम ही जप लेता।
इससे मुझे पाप से मुक्ति और सुकून मिलता
सोचता हूं इस दुनिया में आकर मैंने क्या कमाया।

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं,बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार,राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी,राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं,देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है,और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है,वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आई, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है? भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए,राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो,नागरिकता संशोधन अधिनियम - सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि 'जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्टीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है। भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सरगुजा संभाग को शिक्षा विभाग के तानाशाह संयुक्त संचालक से मिली मुक्ति?

सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक व सरगुजा के जिला शिक्षा अधिकारी की जय वीरू की जोड़ी हुई खत्म।

संयुक्त संचालक व जिला शिक्षा अधिकारी की जुगलबंदी से पूरा शिक्षा विभाग था परेशान...शिक्षकों में था अंदरूनी आक्रोश...

शिक्षा विभाग के तबादला सूची में लगभग 183 के करीब हुए तबादले सूची को देख बेहतर व्यवस्था की उम्मीद...

शिक्षा विभाग के तबादला सूची में दिखी पारदर्शिता ऐसा मानना है शिक्षा विभाग के विशेषज्ञों का

तबादला सूची किसी भ्रष्टाचार पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसी मानी जा रही है...

-न्यूज डेस्क-

सरगुजा/कोरिया, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। शासन के द्वारा तबादले पर लगी रोक हटाने के बाद लगातार विभिन्न विभागों की तबादला सूची जारी हो रही है और पहले यह सूची जिले स्तर पर जारी हो रही थी जो जिला स्तरीय तबादला था जिसकी समयावधि 30 जून 2025 तक निर्धारित थी जिसके बाद अब राज्य स्तरीय तबादला सूची जारी होने का क्रम जारी है जिसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग की एक तबादला सूची राज्यस्तरीय सामने आई है जिसमें कई बड़े अधिकारियों सहित अन्य कर्मचारियों के तबादले राज्य स्तर पर किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी तबादला आदेश में कुछ अंगद जैसे पांव जमाकर वर्षों से एक ही जगह बैठे उन अधिकरियों का भी तबादला हुआ है जो तानाशाह थे और जिनके ऊपर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगा था जो शिक्षकों से उगाही का आरोप था,इसी क्रम में सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक का भी तबादला शिक्षा विभाग द्वारा किया गया है जो सरगुजा की कुर्सी छोड़ने को कभी तैयार नहीं थे और जहां उनके ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगा था जहां से हटाया गया था वहीं वह पुनः आकर बैठ गए थे और वहां की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने ताल ठोक रहे थे,सरगुजा से हटाए गए संयुक्त संचालक का व्यवहार तानाशाह का माना जाता था और वह भ्रष्टाचार में लिप्त थे यह एक समय का मुख्य समाचार हुआ करता था, शिक्षकों से पदस्थापना के नाम पर लंबी उगाही का आरोप लगने के बाद भी इस आरोप के बाद हटाए जाने के बाद भी संयुक्त संचालक किसी तरह पुनः सरगुजा आ पहुंचे थे और पुनः वापसी के बाद से ही सरगुजा की शिक्षा व्यवस्था कहीं न कहीं बेपटरी हो रही थी, सरगुजा के संयुक्त संचालक शिक्षा श्री हेमंत उपाध्याय और जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा श्री अशोक कुमार सिन्हा की कार्यप्रणालियों से सरगुजा जहां शिक्षा व्यवस्था मामले में पिछड़ रहा था वहीं पूरे संभाग के शिक्षकों के अंदर अंदरूनी आक्रोश पनप रहा था जो कभी भी विस्फोटक हो सकता था जिसके कारण इन्हें हटाया गया ऐसी जानकारी सामने आ रही है। सरगुजा संयुक्त संचालक और सरगुजा जिला शिक्षा अधिकारी की जोड़ी टूट जाए और सरगुजा को एक बेहतर नेतृत्व शिक्षा विभाग में मिले यह वहां के शिक्षकों की सोच थी जिसे ही समझकर स्कूल शिक्षा विभाग ने यह निर्णय लिया और हटाया इन्हें ऐसा माना जा रहा है। 189 लोगों के लगभग हुए तबादले में कुछ के तबादले स्वैच्छिक हुए लेकिन जिनका भी प्रशासनिक तबादला हुआ और जो बड़े अधिकारी थे इसके पीछे की वजह उनका कार्य व्यवहार था जो समझा जा सकता है।

अब सरगुजा से जय-वीरु की जोड़ी टूटी है वहां एक एक योग्य अधिकारी को जिम्मेदारी मिली है जो शिक्षा व्यवस्था के बेहतरी के लिए काम करेंगे ऐसा माना जा रहा है। सरगुजा संभाग के नए संयुक्त संचालक अब संजय गुप्ता होंगे जो कई जिले के जिला शिक्षा अधिकारी रह चुके हैं वहीं वह दो-दो बार संयुक्त संचालक सरगुजा की कुर्सी तक पहुंच भी गए थे लेकिन वर्तमान में हटाए गए संयुक्त संचालक की कुर्सी हथियाने के प्रयासों के मामले में वह उनसे पिछड़ जाते थे और वह फ़िलहाल राज्य कार्यालय में सेवा प्रदान कर रहे थे। नए पदस्थ किए गए संयुक्त संचालक शिक्षा संजय गुप्ता के सरगुजा आगमन को लेकर शिक्षका भी उत्साहित हैं और उन्हें यह विश्वास है कि अब संभाग की शिक्षा व्यवस्था एक निर्विवादित व्यक्ति के हांथ में होगी जो शिक्षा व्यवस्था के बेहतरी के लिए काम करेंगे।

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा एवम जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा की जय-वीरु वाली जोड़ी टूटी

सरगुजा संयुक्त संचालक शिक्षा एवम जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा की जोड़ी जय-वीरु की जोड़ी मानी जाती थी जिससे शिक्षक परेशान थे और कहीं न कहीं हताश हो रहे थे,यह जोड़ी अब स्कूल शिक्षा विभाग के तबादला आदेश जारी होने पश्चात टूटती हुई नजर आ रही है और अब इनमें से एक रायपुर में राज्य कार्यालय में अपनी सेवा देंगे,और एक संयुक्त संचालक कार्यालय अंबिकापुर में ही शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कार्य देखेंगे। जय-वीरु की जोड़ी टूट जाए और सरगुजा में एक बेहतर अधिकारी की नियुक्ति की जाए यह संयुक्त संचालक सरगुजा और जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा के मामले में आम शिक्षकों की वह मंशा थी जिसे वह पूरा होता देखना चाहते थे।

संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा पर भ्रष्टाचार का लगा था बड़ा आरोप एक बार हटाए जाने के बाद भी पुनः की थी जिद में वापसी,फिर हटाए गए

संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा के ऊपर भ्रष्टाचार का एक बड़ा आरोप लगा था जिसके बाद इन्हें हटाया भी गया था लेकिन इन्होंने जिद में पुनः वापसी की थी और तभी से यह पुनः सरगुजा में पदस्थ थे, संयुक्त संचालक सरगुजा के ऊपर पदोन्नति के दौरान शिक्षकों से मनचाही पदस्थापना के लिए पैसे उगाही का आरोप लगा था और यह लगभग साबित भी हुआ था कि कई शिक्षकों को इनके द्वारा लाभान्वित किया गया था पदस्थापना मामले में और जिसके लिए कहीं न कहीं आर्थिक लाभ स्वीकार किया गया था,यह आरोप पदोन्नति के समय लगा था और जिसके बाद जांच भी जारी थी लेकिन इन्होंने किसी तरह अपनी पुनः पदस्थापना के लिए प्रयास किया और सरगुजा आकर मामले को रफा दफा करने पूरा जोर लगाया। बताया जाता है कि इन्होंने पूरे मामले को रफा दफा कर भी दिया।

तबादला सूची को संजीवनी माना जा रहा है शिक्षा विभाग के लिए

वर्षों से अंगद के पैर की तरह जमे शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इधर से उधर किया गया,इस तरह शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मंशा शिक्षा विभाग की सामने नजर आई,तबादला आदेश को इस नजरिए से संजीवनी माना जा रहा है शिक्षा विभाग और शिक्षा व्यवस्था के मामले में। अधिकारियों ने वर्षों से एक ही जगह खुद को स्थापित कर भ्रष्टाचार मचाया हुआ था जिसका उन्मूलन हुआ ऐसा माना जा रहा है।

शिक्षा विभाग की अब तक की सबसे बड़ी तबादला सूची में से एक है यह सूची

शिक्षा विभाग शिक्षकों के तबादले मामले में जंबो सूची पूर्व में जारी करता रहा है लेकिन इस बार विभाग के अधिकारियों पर शिक्षा विभाग की नजर टेढ़ी हुई है वहीं कुछ मामलों में स्वैच्छिक भी तबादले हुए हैं,यह सूची शिक्षकों को छोड़ते हुए यदि देखा जाए और अधिकारियों कर्मचारियों के मामले में देखा जाए तो अब तक कि तबादला सूचियों में से सबसे बड़ी सूची है जिसमें 183 से अधिक लोग इधर से उधर किए गए हैं।शिक्षकों के मामले में राज्य सरकार और शिक्षा विभाग का रुख इस कार्यकाल में काफी रूखा है उन्हें स्वैक्षिक तबादले का अधिकार नहीं दिया है विभाग ने और उनसे एक तरह से सौतेला व्यवहार किया गया है दंडित करने का प्रयास किया गया है यह साफ समझ में आया है।

आज निष्पक्ष जांच यदि संस्थित की जाए पदोन्नति पदस्थापना मामले में बड़े भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना तय

बताया जाता है और शिक्षकों के पदोन्नति के समय यह आरोप भी लगे थे कि संयुक्त संचालक सरगुजा ने पदोन्नति के समय कुछ शिक्षकों को मनचाही पदस्थापना करने संशोधन का खेल खेला था और जिससे कई शिक्षकों को गलत तरीके से लाभ पहुंचाया गया था। सरगुजा संभाग में सैकड़ों की संख्या में संशोधन किए गए थे,संयुक्त संचालक ने इसकी जांच निष्पक्ष न होने पाए इसलिए ही हटाए जाने के बाद भी सरगुजा में ही अपनी पुनः पदस्थापना करवा ली थी और मामले को निपटाने पूरा जोर लगाया था जो तब दब भी गया था, बताया जा रहा है कि आज भी यदि उक्त पदस्थापना संशोधन मामले की जांच कर दी जाए एक बड़े भ्रष्टाचार की पोल खुल जाएगी और यह सामने आ जाएगा कि कैसे कनिष्ठ को वरिष्ठ बनाने फर्जी मेडिकल प्रमाण-पत्रों का सहारा लिया गया था कैसे पदस्थापना आदेश जारी होने उपरांत भी संशोधन का खेल खेलते हुए कुछ शिक्षकों को मनचाही जगह पहुंचाया गया था। यह करोड़ों का खेल खेलने वाले कुर्सी पकड़कर बैठे थे इसलिए निष्पक्ष न तो जांच हुई के कार्यवाही हुई वहीं आज जांच हुआ मामला सामने होगा बड़े भ्रष्टाचार का यह आज भी माना जाता है।

जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा की मनमानियां बनी उनके लिए घातक,किनारे किए गए कुर्सी से...

बताया जा रहा है कि सरगुजा के जिला शिक्षा अधिकारी की मनमानियां इतनी बढ़ गई थीं कि वह सत्ताधारी दल के नेताओं की भी नहीं सुनते थे वहीं शिक्षक भी उनसे जिले के त्रस्त थे,शिक्षकों के सामने संवेदनहीनता की स्थिति थी जिला शिक्षा अधिकारी मामले में और वह खुलकर अपनी बात उनके सामने नहीं रख पाते थे,अब यही मुख्य वजह रही कि उन्हें कुर्सी से किनारे किया गया ऐसा माना जा रहा है।

बड़े-बड़े रसूखदारों का भी सूची में नाम है जिनकी कार्यप्रणाली हमेशा ही बेहतर शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ रही...

तबादला सूची में बड़े बड़े रसूखदार भी शामिल हैं,यह शिक्षा व्यवस्था के चौपटीकरण के लिए विख्यात हैं और इसलिए भी इन्हें हटाया गया है, इनमें सरगुजा संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी का नाम प्रमुख है।

युक्तियुक्तकरण में भारी अनियमितता और नियमो को ताक पर रख कर पदस्थापना की जा रही थी...

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा की युक्तियुक्त करण में भारी अनियमितता बरती गई थी नियमो को ताक पर रख कर पदस्थापना की जा रही थी जिस पर मेरे द्वारा लगातार विरोध किया गया राज्य स्तर पर शिकायत की गई जिसके बाद शासन ने डीईओ को हटा दिया है। अन्याय के विरूद्ध मेरी लड़ाई जारी रहेगी। जहां तक स्थानांतरण की बात है तो प्रदेश स्तर पर कई स्थानांतरण नियम विरुद्ध हुए हैं, ऐसा अधिकारी कर्मचारी जो जनता का काम न करें उनका स्थानांतरण होना ही चाहिए।

सेटिंग बाज अधिकारी का तबादला स्वस्थ शिक्षा अभियान की पहली जीत

विकास पाण्डेय आम आदमी पार्टी के कोरबा लोकसभा उपध्यक्ष मनेन्द्रगढ़ विधानसभा प्रभारी ने कहा की एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा को विगत दिनों में किया गया अम्बिकापुर अटैच ये सेटिंग बाज अधिकारी का तबादला स्वस्थ शिक्षा अभियान की पहली जीत, अभी लड़ाई यहीं नहीं रुकी है, अभी बहुत से मुद्दे हैं जो पूरे होने हैं आज नहीं तो कल, बिते 48 दिन से एक-एक घर जाकर आम आदमी पार्टी द्वारा चलाये जा रहे अभियान से निश्चित ही जिले में शिक्षा में क्रांति आयेगी क्योंकि,शिक्षा शेरनी का दूध है।

गेऊर हरीतिमा में बीज बोआई एवं पौधा रोपण कार्यशाला का हुआ आयोजन

मुख्य अतिथि बी पी सिंह.एवं वन मंडलाधिकरी आलोक कुमार बाजपेई ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत किया पौधारोपण

-संवाददाता-

राजपुर, 12 जुलाई 2025 घटती घटना

बलरामपुर जिले के राजपुर गेऊर हरीतिमा में वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देश में राजपुर में ANR वन क्षेत्रों एवं अन्य वन क्षेत्रों में बीज बोआई, एवं पौधा रोपण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अथिति बी.पी. सिंह वानिकी विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन केंद्र अरण्य भवन रायपुर (छ.ग.) के द्वारा ANR वन क्षेत्रों एवं अन्य वन क्षेत्रों में बीज बोआई, एवं पौधा रोपण की महत्वपूर्ण विधियों को बारीकियों से फील्ड में प्रैक्टिकल कराकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्य अतिथि बी.पी. सिंह व वनमंडलाधिकारी अलोक कुमार बाजपेयी ने एक पेड़ मां के नाम महा अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इसके साथ ही वनों के घनत्व को बढ़ाने हेतु उपरोक्त अधिकारी-कर्मचारी को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान कार्यशाला में बलरामपुर उप वनमंडलाधिकारी संतोष पांडेय, राजपुर उप वनमंडलाधिकारी आरएसएल श्रीवास्तव, राजपुर वन परिक्षेत्राधिकारी महाजन लाल साहू, कुसमी वन परिक्षेत्राधिकारी काली राम, शंकरगढ़ वनपरिक्षेत्राधिकारी आशा मिंज,सुशील ठाकुर,बलरामपुर,जशपुर,सरगुजा वन मंडल के एसडीओ,रेंजर,डिप्टी रेंजर,फॉरेस्टर, वनरक्षकगण उपस्थित थे।

मानसिक रूप से बीमार युवक फंदे पर झूला

अंबिकापुर, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। मानसिक रूप से बीमार युवक फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। पुलिस ने बताया मृतक अर्जुन राम पिता हीरू राम 36 वर्ष,सकालो आमापारा का रहने वाला था। विगत डेढ़ साल से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

शुक्रवार को सुबह वह घर से बिना किसी को कुछ बताए निकल गया था, इसके बाद वापस नहीं लौटा। जंगल की ओर गए कुछ लोगों की नजर पेड़ में फांसी पर लटके युवक पर पड़ी और वे पास जाकर देखे और युवक को पहचाना।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना युवक के स्वजन को दी तो वे मौके पर पहुंचे। युवक अपने पहने हुए शर्ट से फांसी का फंदा बनाकर पेड़ में लटका था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दी है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

मोबाइल टावर का सामान चोरी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मोबाइल टावर से इलेक्ट्रॉनिक कार्ड एवं जम्पर केबल चोरी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने चोर व खरीददार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार शम्भू सिंह गांधीनगर थाना क्षेत्र के बढनीझरिया का रहने वाला है। वह आईडिया कंपनी में तकनीशियन का काम करता है। वह 11 जुलाई को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को बताया था कि 9 जुलाई को नमनाकला पंचदेव मंदिर के पास स्थित आइडीया मोबाइल टावर के बीटीएस रूम का ताला तोडक़र अज्ञात व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक कार्ड, मोबाइल टावर का टूटा हुआ सामान एवं जम्पर केबल चोरी ले गया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 331(4), 305 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अरमान शेख पिमा कलाम शेख उम्र 22 वर्ष निवासी लुन्ड्रा बेहराडीह को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ के दौरान अरमान ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी करना व चोरी का सामान सदर रोड अंबिकापुर निवासी शनि गुप्ता के पास बेचना बताया। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने खरीदार शनि गुप्ता को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की सामान जब्त की है। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जल संकट से निपटने मोर-गांव,मोर पानी महाभियान के तहत 922 जल संरचनाओं का निर्माण कार्य जारी

जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल ने किया निरीक्षण दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। जल संकट से निपटने एवं भू-जल स्तर में सुधार के लिए मोर-गांव,मोर पानी महाभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले में जल पुनर्भरण की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। जिले के सभी विकासखण्डों में सर्वे कर जल संरक्षण एवं मिट्टी कटाव की रोकथाम हेतु कार्ययोजना तैयार की गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत इस महाभियान में कंटूर ट्रेंच, वृक्षारोपण, गली प्लग -335, लूज बोल्डर चेक डेम 338, अंडरग्राउंड डाइक, फार्म पोड सहित कुल 922 संरचनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिन पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह महाभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण,भूजल पुनर्भरण एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इसी कड़ी में जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री विनय कुमार अग्रवाल द्वारा जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत चिरगा एवं मंगारी में प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सभी कार्य निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप प्रगति पर पाए गए। श्री अग्रवाल ने समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्राम पंचायत मंगारी एवं तरागी में रीपा (राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना) अंतर्गत स्थापित गार्मेंट यूनिट, बेकरी, चैनलिंक फैन्सिंग,तेल प्रोसेसिंग एवं राईस प्रोसेसिंग यूनिट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक सुधार कर इन इकाइयों को पुनः सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई
किशोरी व युवक की मौत

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। शहर से लगे ग्राम चठिरमा के पास शुक्रवार की रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से जा टकराई। हादसे में किशोरी व युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि 3 घायल हो गए। घायलों में एक युवती और 2 युवक शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है,इनमें से छात्रा की हालत नाजुक बताई जा रही है। जशपुर जिले के ग्राम जरिया निवासी जतिन राज कुजूर 19 वर्ष,सूरजपुर जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रविंद्रनगर निवासी खुशी साहा पिता खगेश 16 वर्ष,सीतापुर निवासी अर्पित बड़ा 18 वर्ष,दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम चिताबहार निवासी सारिका मिंज 17 वर्ष व बैकुंठपुर निवासी अनुपम बड़ा शुक्रवार की रात 9 बजे स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 15 ईई- 9601 में सवार होकर गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासी अपने दोस्त सामर्थ्य के घर ग्राम खलिबा जा रहे थे। वे अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर शहर से लगे ग्राम चठिरमा के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। वहीं उसमें सवार वाहन चला रहे जतिन राज कुजूर व छात्रा खुशी साहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सारिका,अनूपम व अर्पित घायल हो गए। सूचना मिलते ही गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को स्कॉर्पियो से निकालकर शहर के विभिन्न अस्पताल में भर्ती कराया। यहां जतिन व खुशी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के दोनों एयरबैग खुल गए थे। स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने की घटना वहां स्थित एक घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे के वक्त हल्की बारिश हो रही थी। आवाज सुनकर उक्त घर के लोग बाहर निकले, फिर देखते ही देखते लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थे।

भरमार बंदूक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

शंकरगढ़,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को भरमार बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी गया सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार 11 जुलाई को शंकरगढ़ थाना प्रभारी को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम जोकापाठ लालधरा निवासी रामू पहाड़ी कोरवा (25वर्ष) के पास एक नाल वाली अवैध भरमार बंदूक है,जिसे वह अपने घर के पास झाड़ियों में छिपाकर रखा हुआ है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शंकरगढ़ थाने की पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। मौके पर आरोपी रामू पहाड़ी कोरवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने एक भरमार बंदूक को अपने घर के बगल पुटूस की झाड़ी में छिपा कर रखने की बात स्वीकार की। गवाहों की उपस्थिति में पुलिस द्वारा उस भरमार बंदूक को बरामद कर जब्त किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने Arms Act की धारा 25 के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

अटल विहार कॉलोनी सरगवां में हुआ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान अंतर्गत कॉलोनीवासियों की सहभागिता से हुआ पौधरोपण

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। राज्य शासन की पर्यावरणीय पहल एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत शनिवार को अटल विहार कॉलोनी सरगवां (अम्बिकापुर) में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनीवासी, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,श्री भारत सिंह सिसोदिया, श्री अखिलेश सोनी, श्री शिवमंगल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

युवक की संदेहास्पद मौत, पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम

अंबिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सिर में दर्द होने पर गोली खाकर चैन की नींद सोया युवक सुबह नींद खुलने पर पत्नी को चाय बनाने के लिए बोला। चाय बनाकर पत्नी सामने रखी लेकिन वह बेसुध हो गया। स्वजन उसे क्षेत्रीय अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर लेकर पहुंचे,लेकिन अस्पताल पहुंचने के पहले तक उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक बिहारपुर लटोरी निवासी नरेश सिंह पिता होलसाय सिंह 45 वर्ष 11 जुलाई को खाना खाने के बाद अपने परिवार के साथ सोया था। 12 जुलाई को अलसुबह 3 बजे वह अपनी पत्नी बिगनी बाई को अलसुबह सिर में दर्द होने की जानकारी दिया, जिस पर वह घर में रखा गोली अपने पति को खाने के लिए दी। गोली खाने के कुछ देर बाद नरेश सिंह को आराम महसूस हुआ और वह सो गया। सुबह उठने पर वह अपनी पत्नी को चाय बनाने के लिए कहा। पत्नी चाय बनाकर अपने पति के सामने रखी, लेकिन वह चाय नहीं पी पाया।

सूरजपुर से पारिवारिक समारोह में जा रहा परिवार हादसे का शिकार,तीन की मौत,दो गंभीर

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। बिहार के वैशाली जिले में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने जा रहे एक ही परिवार के पांच सदस्य पालीगंज के पास एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। शनिवार सुबह करीब 6 बजे यह हादसा उस वक्त हुआ जब उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार के कारण कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सीधे नहर में जा पलटी। देखते ही देखते पूरी कार पानी में डूब गई और उसमें सवार सभी पांच लोग बहने लगे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों ने बहादुरी दिखाते हुए तुरंत राहत कार्य शुरू किया और दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में कामयाबी पाई। दोनों घायलों को गंभीर हालत में पटना एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। वहीं,मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान सूरजपुर जिले के निवासी के रूप में हुई है। मृतकों में परिवार के बुजुर्ग (ससुर),बहू और एक मासूम बच्ची शामिल हैं। इस हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन में सहयोग किया और घटना की जांच शुरू कर दी है।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं के रिक्त सीटों के लिए प्रतिक्षा सूची जारी

जशपुरनगर 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास विद्यालय के कक्षा 9वीं सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्यचन परीक्षा 20 अप्रैल 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित किया जा चुका है। उक्त परीक्षा के आधार पर वर्गवार चयन सूची एवं प्रतिक्षा सूची राज्य कार्यालय द्वारा दिनांक 19 जून 2025 को जारी की गई है। विद्यार्थियों की वर्गवार प्रतिक्षा सूची विभागीय वेबसाईट : www.eklavya.cg.nic.in पर अवलोकन किया जा सकता है। प्रतिक्षा सूची के चयनित विद्यार्थियों हेतु 15 से 18 जुलाई 2025 तक काउंसिलिंग आयोजित की गई है। निर्धारित तिथि अनुसार 15 जुलाई को अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह बालक, 16 जुलाई को अनुसूचित जनजाति एवं विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह बालिका, 17 जुलाई को अनुसूचित जाति बालक-बालिका और 18 जुलाई 2025 अन्य पिछड़ा वर्ग बालक-बालिका, सामान्य वर्ग के बालक-बालिका एवं अल्पसंख्यक बालक-बालिका का काउंसिलिंग प्रातः 10 बजे से सायं 5.00 बजे तक, प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय गुढ़ियारी जिला रायपुर में होगा।

ताइक्वांडो (मार्शल आर्ट) प्रशिक्षक प्रांजल का किया गया गुरु पूर्णिमा के अवसर पे सम्मान..

राष्ट्रीय खिलाड़ी और प्रशिक्षक के तौर पर लंबे समय से काम कर रहे हैं...

बलरामपुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले में गुरु पूर्णिमा के दिन भाजपा प्रदेश संगठन के आह्वान पर गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें बलरामपुर जिले के भाजपा के विशिष्ट लोगों ने ताइक्वांडो(मार्शल आर्ट) के प्रशिक्षक प्रांजल सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया और उनके कार्य के लिए उन्हें साल,श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया...प्रांजल बलरामपुर जिल के पहले राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता हैं उन्होंने निरंतर अपनी मेहनत से दो बार राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है और राज्य सहित जिले का नाम रोशन किया है।जो वर्तमान में निरंतर अपने कार्य में प्रशिक्षक के तौर पर प्रगतिशील हैं ।

प्रांजल ने खुशी जाहिर करते हुए जताया आभार...

इस सम्मान से खुशी जाहिर करते हुए प्रांजल ने मीडिया को बताया कि इस उम्र में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु के रूप में सम्मान पाना ये बड़ी सौभाग्य की बात है इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं मैं लंबे समय से ताइक्वांडो (मार्शलआर्ट) के माध्यम से कई जिलों में आत्म रक्षा का प्रशिक्षण देते आया हूं कई सरकारी एवं प्राइवेट स्कूल,कॉलेज सहित सरकारी और निजी जागरूकता शिविरों के आयोजनों में निःशुल्क हजारों लड़के,लड़कियों एवं पुरुष, महिलाओं, को खुशी से प्रशिक्षण दिया है और आजीवन मौके आने पर देते रहूंगा इस काम में खुद को गौरांवित महसूस करता हूं जिससे आत्म रक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोग जिसमें छोटे बच्चे,लड़कियां,महिलाएं,अपनी सुरक्षा करना सिख पाती हैं और खुद को निडर महसूस करती हैं ये अनुभव खुशी दे कर जाता है । जिला मुख्यालय बलरामपुर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अलग-अलग विधाओं में गुरुओं का सम्मान किया गया, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, बाल कृष्ण पाठक,बिहारी पाल,बंसीधर गुप्ता, दीनानाथ यादव,दिलीप सोनी, सत्य प्रकाश सिंह, कोदूराम द्विवेदी, डॉ अर्चना गुप्ता,इत्यादि वरिष्ठों के साथ साथ शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं स्वामी आत्मानंद स्कूल से आए सैकड़ों बच्चों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही कार्यक्रम के संयोजक मुन्ना लाल चौधरी एवं भानु प्रकाश दीक्षित रहे।

सुरेंद्र गुप्ता बने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में एनएसयूआई अध्यक्ष

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई को नया नेतृत्व मिल गया है। सुरेंद्र गुप्ता को विश्वविद्यालय में एनएसयूआई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य श्री आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने उन्हें बधाई दी है। यह नियुक्ति एनएसयूआई के सरगुजा जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल की अनुशंसा पर की गई है, जिसे प्रदेश नेतृत्व ने स्वीकृति दी। सुरेंद्र गुप्ता की नियुक्ति से पूरे सरगुजा जिले में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों में हर्ष का माहौल है। पूर्व उपमुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट के दौरान सुरेंद्र गुप्ता ने आश्वस्त किया कि वे विश्वविद्यालय में छात्रों के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान हेतु पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के अधीन सरगुजा संभाग के छह जिले आते हैं, लेकिन छात्रों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए अम्बिकापुर आना पड़ता है, जिससे उन्हें कठिनाई होती है।

सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि उनकी प्राथमिकता होगी कि विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह कर प्रत्येक जिले के प्रमुख महाविद्यालयों में विश्वविद्यालय के संपर्क एवं सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं, ताकि छात्रों को सुगम और सुलभ सेवाएं मिल सकें। उनकी इस सोच और प्रतिबद्धता से उम्मीद की जा रही है कि छात्र समुदाय को बेहतर सुविधा और प्रतिनिधित्व मिलेगा।

जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। जिले के सीतापुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत भुसू में 11 जुलाई 2025 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में सीतापुर विधायक क्षेत्र श्री रामकुमार टोप्पो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री नीरज कौशिक, जनपद सीईओ,तहसीलदार सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को शासन की योजनाओं से जोड़ना, उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर करना तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी देना था।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में विधायक राजेश अग्रवाल हुए शामिल

अम्बिकापुर,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड के ग्राम निम्हा में शनिवार को आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में अतिथि के रूप में विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए।जहां उन्होंने माता सरस्वती के समक्ष दीप पूजन कर पुष्पित करते हुए कार्यक्रम को शुभारंभ किया है इस दौरान शिक्षक शिक्षकों के द्वारा अतिथियों को बेज लगा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। छात्राओं के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। विधायक राजेश अग्रवाल ने नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगा मुंह मीठा कर ड्रेस और पुस्तक का वितरण कर शाला प्रवेश कराया साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित भी किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान को लेकर विधायक राजेश अग्रवाल ने पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। कार्यक्रम के समापन में स्वामी आत्मानंद विद्यालय के कक्षा नवमी से 12वीं के छात्राओं को पानी बोतल वितरण किया। इस दौरान उनके साथ विधायक प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, ओबीसी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल मुकेश ठाकुर लक्ष्मण साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष पटना का जन्मदिवस अवसर बना रहा उत्साह का विषय

नगर पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद के प्रथम जन्मदिवस अवसर पर उनका बढ़ता जनाधार आगामी विधानसभा में उनके विधानसभा प्रत्याशी बनने की राह आसान करेगा ?

एक बेहतर संयोग के बीच प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह का जन्मदिवस मनाया गया...

नगर पंचायत गठन होने का दिन व गायत्री सिंह के जन्मदिवस की तिथि दोनों एक हैं जिसे लेकर उत्साह भी खूब दिखा...

नगर पंचायत बनने के एक वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया तो वहीं प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष का जन्मदिवस भी काफी भव्य रहा...

-रवि सिंह-

कोरिया, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के नवगठित नगर पंचायत पटना की प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह का 11 जुलाई को जन्मदिवस मनाया गया,यह जन्मदिवस उनके समर्थकों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में मनाया गया वहीं इसमें नगर पंचायत के निर्वाचित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकत करते हुए नगर की प्रथम महिला को बधाई शुभकामनाएं प्रदान किया। प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष का यह जन्मदिवस काफी खास भी रहा इस बार क्योंकि यह पहला अवसर था जब नगर के लोगों के साथ उन्होंने अपना जन्मदिवस भी धूमधाम से मनाया वहीं उन्होंने नगर पंचायत गठन के एक वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ जनों का सम्मान भी नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ किया,बता दें कि यह एक अच्छा संयोग देखने को मिला कि नगर पंचायत के गठन की तिथि और प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष के जन्मदिवस की तिथि एक ही है और इस बार यह तिथि और महत्वपूर्ण इसलिए रही क्योंकि प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष जो निर्वाचित हुई उनके जन्मदिवस के ही दिवस नगर पंचायत पटना के गठन की पहली वर्षगांठ थी,नगर पंचायत के निर्वाचित सदस्यों ने इस तिथि को काफी भव्य स्वरूप में मनाया और इस दौरान वरिष्ठ नगर जनों का सम्मान भी किया उन्होंने और प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष का जन्मदिवस भी उत्साह पूर्वक मनाया,इस अवसर पर नगर के अनेकानेक लोगों ने जिनमें वरिष्ठ जन भी शामिल थे ने खुद पहुंचकर प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष को शुभ जन्मदिवस की बधाई दी वहीं उन्होंने नगर पंचायत गठन के प्रथम वर्षगांठ को भी लेकर भी आपस में बधाई दी भी स्वीकार भी की। प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रथम जन्मदिवस पर उनका बढ़ता जनाधार भी देखने को मिल और सोशल मीडिया पर जहां बधाई का तांता लगा देखा गया वहीं खुद पहुंचकर भी जिले के लोगों ने जनप्रतिनिधियों ने पटना नगर पंचायत अध्यक्ष को शुभ जन्मदिवस की बधाई दी। अध्यक्ष गायत्री सिंह की बढ़ती लोकप्रियता और उनका बढ़ता जनाधार कहीं उनके लिए विधानसभा का रास्ता तो नहीं तय कर ले जाएगा यह भी कयास अब लगाए जा रहे हैं और यह प्रश्न भी उठने लगे हैं वहीं तीसरी बार उन्हें पटना की जनता ने अपना स्नेह प्रदान किया और सत्ता के शीर्ष पर नगर पंचायत मामले में पहुंचाया है इस तरह वह किस्मत सहित जनता के स्नेह से धनी मानी जाती हैं और उनका कार्यव्यवहार और सरल सहज व्यवहार के साथ जनसरोकार से उनका जुड़ाव इसका मुख्य कारण माना जाता है।

प्रथम नगर अध्यक्ष के जन्मदिवस सहित नगर पंचायत के गठन की तिथि एक...उत्सव स्वरूप मनाया गया दोहरे संयोग का यह अवसर

प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष के जन्मदिवस की तिथि और नगर पंचायत के गठन की तिथि एक होने का अवसर उत्सव स्वरूप में मनाया गया,इस अवसर पर निर्वाचित नगर पंचायत सदस्यों सहित नगर वासियों ने बधाई देने में काफी उत्साह दिखाया,सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा जो देर रात तक चलता रहा वहीं नगर पंचायत कार्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जहां वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया जिनमें सेवानिवृत शिक्षक भी शामिल थे।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष को भी बधाईयां प्रदान की गई और उनका जन्मदिवस मनाया गया।

प्रथम नगर अध्यक्ष को मिली ढेरों बधाईयां,दिखा बढ़ा हुआ जनाधार,क्या भविष्य में बन सकती हैं विधानसभा प्रत्याशी ?

प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष पटना के जन्मदिवस अवसर पर बधाई देने वालों की संख्या काफी बड़ी नजर आई, सोशल मिडिया में इस अवसर पर बधाईयों का तांता लगा नजर आया,घर कार्यालय पहुंचकर भी बधाईयां प्रदान करने वालों ने बधाई दी,यह बधाईयां और लोगों का उत्साह प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष का बढ़ा हुआ जनाधार साबित करता है,ऐसे में यह सवाल उठता है कि जिस गति से गायत्री सिंह की लोकप्रियता बढ़ रही है क्या वह विधानसभा के लिए प्रत्याशी बनाई जा सकती हैं,वैसे किस्मत की धनी गायत्री सिंह व्यवहार कुशल हैं और जनता के लिए सर्व उपलब्ध रहकर जनसरोकार से जुड़े रहना उनकी खूबी है ऐसे में यह कयास की वह भावी प्रत्याशी भाजपा विधानसभा हो सकती हैं इसको बल भी मिलता है, वैसे भाजपा में प्रत्याशी बनने की फिलहाल होड़ लगी हुई है और आगे मौका किसे मिलेगा यह पार्टी ही तय करेगी वैसे गायत्री सिंह भी उन लोगों में शामिल होती नजर आ रही हैं जो संभावित और मजबूत उम्मीदवार हो सकते हैं।

शुभचिंतकों सहित कार्यकर्ताओं ने मनाया अध्यक्ष का जन्मदिवस,आयोजन कर कटवाया अध्यक्ष से केक

गायत्री सिंह के शुभचिंतकों सहित कार्यकर्ताओं ने एक छोटा सा आयोजन किया और अपने अध्यक्ष के जन्मदिवस को यादगार बनाया,इस अवसर पर केक कटवाकर उन्हें बधाईयां दी गई जहां पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर बधाई देने का काम किया, इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष भी पहुंचे,गायत्री सिंह के जन्मदिवस पर आयोजन के दौरान आयोजनकर्ता शुभचिंतक ने आयोजन में नगर के भी वरिष्ठ लोगों को आमंत्रित किया और उनके बीच आयोजन उत्साह से साथ संपन्न किया गया।

दो पंचवर्षीय सरपंच का कार्यकाल अब नगर पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी, जनता से लगातार मिल रहा समर्थन गायत्री सिंह का राजनीतिक सफर

गायत्री सिंह का राजनीतिक सफर दो पंचवर्षीय सरपंच का कार्यकाल और वर्तमान में नगर पंचायत अध्यक्ष की जिम्मेदारी,कुल मिलाकर अब तक उन्हें तीन पंचवर्षीय कार्यकाल के लिए जनता ने समर्थन प्रदान किया है,पटना नगर में उनके पति भी नगर पंचायत गठन के पूर्व सरपंच रह चुके हैं और इस तरह उनके परिवार को पटना से लगातार स्नेह मिला है यह नजर आता है,गायत्री सिंह किस्मत की भी धनी हैं और उनकी निर्णय क्षमता उनकी दूरदर्शिता दर्शाती है,कभी दलों से न जुड़ने वाली गायत्री सिंह ने भाजपा की सदस्यता तब ग्रहण की जब नगर पंचायत का गठन हुआ वहीं भाजपा ने भी अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित सीट से गायत्री सिंह जो आरक्षित श्रेणी से आती हैं उन्हें मौका दिया, पटना की जनता और किस्मत ने भी गायत्री सिंह का साथ दिया और वह प्रथम नगर अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंच गई, वैसे किस्मत की धनी इस मामले में उन्हें माना जाता है कि तीन पंचवर्षीय कार्यकाल के बाद के विरोधी लहर के बाद भी वह जीत दर्ज कर ले गई,गायत्री सिंह कुशल चुनाव संचालक भी हैं और अपने चुनाव में वह स्वयं निर्णय लेकर चुनाव प्रचार की कमान संभालती हैं यह भी बताया जाता है।

राज्यपाल श्री डेका ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

-संवाददाता-

कोरबा, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका ने जिला पंचायत परिसर में आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत बादाम के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की अपील की। साथ ही लगाए गए पौधे को सजीव बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं उठाने की बात कही। एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। पेड़ पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाता है,बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल उपहार है। इस अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत,पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत,सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले,आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला देवाडांड में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

-संवाददाता-

कोरबा, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार,जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में विगत दिवस को शा.पूर्व माध्यमिक शाला देवाडांड में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया जिसमें नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर और गणवेश,पुस्तक देकर कराया गया।इस कार्यक्रम विकासखंड शिक्षाधिकारी बलविंदर सिंह सहायक विकास खंड शिक्षाधिकारी विजय पाण्डेय , संकुल प्राचार्य विनोद कुमार,सरपंच देवाडाड रीता भगत, जे डी कुजूर प्रदीप तिवारी,राकेश सिंह शिव कुमार राम बरन साहू ग्राम पंचायत सचिव राजन सिंह शिक्षा समिति के सदस्यगण की गरिमामय उपस्थिति इस कार्यक्रम में बच्चों के माता-पिता ने भी बढ़-चढ़ हिस्सा लिया संस्था प्रमुख ने ग्राम के निवासीओ बच्चों के अभिभावकों से संस्था मे कमी से संबंधित जानकारी भी ली और भविष्य में शिक्षा के स्तर एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं खेल कूद के संबंध में भी अभिभावकों को शाला में समय समय पर सुझाव भी देने का आग्रह किया जिससे ग्राम और शाला की गतिविधियों में सुधार हो इसके पश्चात सभी ने बच्चों के साथ न्यौता भोजन का आनंद लिया।संस्था प्रमुख जितेन्द्र सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रगट किया।

स्कूली छात्रों के बीच हुई गैंगवार मे 14 वर्षीय छात्र पर ब्लेड से किया गया हमला

-संवाददाता-

कोरबा, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कोरबा जिले में स्कूली छात्रों के बीच गैंगवार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत दादर माध्यमिक शाला के 14 वर्षीय छात्र पर उसके ही साथ पढ़ने वाले छात्र ने ब्लेड से हमला कर दिया। यह घटना स्कूल की खेल छुट्टी के दौरान बांसबाड़ी नर्सरी में हुई। घायल छात्र के गले और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसका उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस गंभीर घटना से स्कूल प्रबंधन पूरी तरह अनजान रहा। यह प्रश्न उठता है कि स्कूल परिसर के पास इस तरह की घटना कैसे हुई और बच्चों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी छात्र की तलाश जारी है। इस घटना ने एक बार फिर स्कूली बच्चों के बीच बढ़ती हिंसा और स्कूल परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल प्रबंधन की लापरवाही को देखते हुए पुलिस ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ भी कार्यवाही करने की बात कही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है, जो घटना के कारणों और स्कूल प्रबंधन की भूमिका की जांच करेगी। इस घटना के बाद से स्कूली बच्चों के माता-पिता में चिंता का माहौल है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि स्कूल परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय किए जाएं।

परियोजना कार्यालय खड़गवां में हादसे का खतरा मंडराया

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के एकीकृत महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय खड़गवां का भवन एकदम जर्जर स्थिति में हो गया है कल शाम को परियोजना कार्यालय खड़गवां में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के भर्ती के लिए फार्म जमा किये जाने का आखरी दिन था उसी वक्त परियोजना कार्यालय की छत का प्लास्टर भरभरा कर गिरा जिससे कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय से बाहर भाग कर अपनी जान बचाई। किसी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई जबकि कार्यालय मे फार्म जमा करने वालों की भीड़ जैसे ही खत्म हुई की छत के प्लास्टर का एक बडा

हिस्सा भरभरा कर जमीन पर गिर गया इस भवन की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है। अभी तो बरसात की शुरुआत है आगे तो पूरी बरसात होना बाकी है और भवन के छत से पानी भी टपक रहा है एवं प्लास्टर भी गिर रहा है। इस जर्जर भवन में कभी भी कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है। परियोजना कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारीयों में भवन में बैठकर कार्य करने से डर रहे हैं जिससे हर वक्त किसी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनहित में प्रशासन से मांग है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि परियोजना भवन में आने-जाने वाले लोगों की एवं कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गांजा तस्करी करते थाना भटगांव पुलिस ने एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार,2 लाख कीमत का गांजा जप्त

-संवाददाता-

सूरजपुर, 12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा लगातार अवैध कारोबार और नशे के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को थाना भटगांव पुलिस ने गांजा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पकड़ा है जिससे गांजा जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार किया है।

विगत शनिवार दिनांक 12.07.2025 को थाना भटगांव पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि मोटर सायकल में एक व्यक्ति

गांजा लेकर बिक्री करने अम्बिकापुर से सोनगरा होते हुए चांदनी बिहारपुर जाने वाला है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम के द्वारा ग्राम सोनगरा में घेराबंदी लगाकर मोटर सायकल सहित दिलेश जायसवाल उर्फ चन्दन पिता रामगोपाल जायसवाल उम्र 21 वर्ष निवासी नवगई थाना चांदनी को पकड़ा जिसके कब्जे से 5 किलो मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया। जप्त गांजा की बाजारू कीमत करीब 2 लाख रूपये है। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, प्रधान आरक्षक धुनेश्वर केरकेट्टा, आरक्षक संदीप शर्मा, श्याम साहू, दिनेश ठाकुर व रजनीश पटेल सक्रिय रही।

ग्राम पंचायत सचिव उच्च अधिकरियों के भी आदेशों की कर रहे अवहेलना,उच्च अधिकारी के आदेश पश्चात भी नहीं छोड़ रहे प्रभार

मामला कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड से जुड़ा हुआ,ग्राम पंचायत बरदिया के सचिव का हुआ है तबादला

जिला पंचायत सीईओ ने किया है तबादला फिर भी ग्राम पंचायत बरदिया सचिव नहीं दे रहे दूसरे सचिव को प्रभार

सुशासन तिहार में हुई थी बरदिया ग्राम पंचायत सचिव की शिकायत,शिकायत के बाद ग्राम कटोरा लिए हुआ था आदेश

क्या सुशासन तिहार भी केवल एक समय तक के लिए था सीमित, अभियान खत्म महत्व हुआ खत्म?

ग्राम पंचायत बरदिया सचिव शाहिद खान हैं काफी प्रसिद्ध ग्राम सचिव, कार्यप्रणाली के लिए हैं विख्यात

-रवि सिंह-

कोरिया,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले की प्रशासनिक व्यवस्था आजकल भगवान भरोसे है, उच्च अधिकरियों के निर्देशों की अवहेलना आम है, ऐसा हम ऐसे ही नहीं कह रहे हैं इसके पीछे की वजह भी है और वजह भी ऐसी है कि कोई भी यही कहेगा कि जिले के उच्च अधिकारियों का अपने ही अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण नहीं है और निचले स्तर के कर्मचारी अपनी ही मनमानी करते हैं और उच्च अधिकारी उनके सामने समर्पण की स्थिति में हैं,उच्च अधिकारी के आदेश की अवहेलना का वैसे तो कई मामले समय समय पर सामने आते रहते हैं लेकिन ताजा मामला एक ग्राम पंचायत सचिव से जुड़ा हुआ है जो सीईओ जिला पंचायत के आदेश की अवहेलना कर रहा है,बता दें कि सुशासन तिहार के दौरान ग्राम पंचायत बरदिया के सचिव शाहिद खान की शिकायत ग्रामीणों ने की थी और उसे अन्यत्र भेजे जाने की मांग की थी,ग्रामीणों की

सरगुजा अंतर्राष्ट्रीय-समाचार
अम्बिकापुर,सोमवार 02 जून 2025
4
क्या शाहिद खान काफी पहुंच वाले ग्राम पंचायत सचिव हैं...जो अपने मन मुताबिक ग्राम पंचायत पाते हैं ?

मांग पर ग्राम पंचायत सचिव शाहिद खान को ग्राम बरदिया से ग्राम कटोरा के लिए आदेशित तो जिला पंचायत सीईओ द्वारा किया गया लेकिन एक माह से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी शाहिद खान बरदिया में ही जमे हुए हैं और अन्य को प्रभार देने में आना कानी कर रहे हैं। वैसे शाहिद खान की गिनती उन ग्राम पंचायत सचिवों में होती है जिनकी कार्यप्रणाली हमेशा विवादित रही है और इनकी जहां भी पदस्थापना होती है वहां इनके जाते ही विरोध शुरू हो जाता है। अपने आज तक के कार्यकाल में इनके द्वारा अथाह संपत्ति अर्जित की गई है यह भी जहां जांच का विषय है वहीं जहां जहां इनकी पदस्थापना रही है वहां का निर्माण कार्य इनके कार्यप्रणाली को उजागर करने गवाह है। ग्रामीणों से भी उचित और प्रेम पूर्वक व्यवहार न करने वाले ग्राम पंचायत सचिव की शिकायतें कई बार हुई लेकिन कभी भी ऐसी कार्यवाही नहीं हुई उनके ऊपर की अन्य ग्राम पंचायत सचिवों के लिए भी वह एक सीख बन सके और उनके खुद को भी भविष्य में खुद के व्यवहार में सुधार की आवश्यता महसूस हो, शाहिद खान की शिकायत सुशासन तिहार के दौरान हुई थी और उन्हें ग्राम बरदिया से सुशासन अभियान की सफलता बताने के हिसाब से ही हटाया गया था सीईओ जिला पंचायत ने आदेश जारी कर उनका तबादला किया था लेकिन आज भी वह बरदिया का प्रभार सौंपने तैयार नहीं हैं और इस तरह वह शासन के महत्वपूर्ण अभियान सुशासन तिहार की भी हवा निकाल रहे हैं और जिला अधिकारियों को आदेश पालन न करते हुए चुनौती दे रहे हैं। वैसे ग्राम पंचायत सचिव के तबादले मामले में प्रभार अन्य को दिलाना जनपद पंचायतों का काम है वहीं बैकुंठपुर जनपद पंचायत इस मामले में क्यों मौन है क्यों शाहिद सचिव पर मेहरबान है यह भी एक सवाल है।

आखिर ग्राम पंचायत सचिव कितने प्रभावशील है कि वित्तीय प्रभार देने में भी हीला-हवाली कर रहे हैं?

शाहिद खान बैकुंठपुर विकासखंड के ऐसे ग्राम पंचायत सचिव हैं जो मन के अपने मालिक हैं और कहीं न कहीं जनपद से जिला तक अपनी मुट्ठी में यह रखते हैं,ऐसा हम नहीं कह रहे हैं ऐसा आम जनमानस में चर्चा है कि शाहिद खान जनपद से जिले तक में इतने मशहूर हैं कि अधिकारी जल्द इन्हें मजबूर किसी मामले में कर पाने में असमर्थ रहते हैं भले मामला आवश्यक निर्देश पालन का ही क्यों न हो,ताजा मामले में वह उस ग्राम पंचायत का वित्तीय प्रभार अन्य को नहीं सौंप रहे हैं जहां से उन्हें हटाया गया है,यह इतने प्रभावशाली हैं कि यह उच्च अधिकारियों के आदेश की ही अवहेलना कर वित्तीय प्रभार देने में हिला हवाली कर रहे हैं यह भी एक सवाल है,वैसे इनके प्रभाव का आंकलन करने के लिए इतना ही जानना काफी है कि यह उंगली रखकर ग्राम पंचायत चुनते हैं और कई बार दो दो ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी अकेले पाने में सफल भी रहते हैं।

क्या उन्हें डर है कि वित्तीय प्रभार देने के बाद उनके कार्यकाल में किए गए वित्तीय अनियमिताओं की पोल खुल जाएगी?

वैसे ग्राम पंचायत सचिव शाहिद खान बरदिया ग्राम से कटोरा भेजे गए हैं,यह आदेश जिला पंचायत सीईओ ने जारी किया है,आदेश का पालन पूरी तरह आज भी इन्होंने नहीं किया है और वित्तीय प्रभार देने में इन्होंने एक महीने से भी ज्यादा का समय बीता दिया और अब तक प्रभार नहीं दिया है,वैसे क्या इन्हें भय है कि वित्तीय प्रभार देते ही इनके कार्यकाल की अनियमिताओं की पोल खुल जाएगी जो निर्माण कार्यों सहित अन्य मामले में की गई है इसलिए यह प्रभार नहीं दे रहे हैं,वैसे माना यही जा रहा है कि पिछ्ली करनी छिपाने यह प्रयासरत हैं और इसी कारण यह प्रभार देने में विलंब कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत के विकास के लिए नियुक्त ग्राम पंचायत सचिव हुए विकसित,ग्राम पंचायतों का हाल हुआ बेहाल

ग्राम पंचायत सचिवों की गाथा बड़ी मजेदार है,ग्राम पंचायत सचिवों को ग्राम विकास की जिम्मेदारी सरकार ने दी है और देखने में जिम्मेदारी उल्टी निभाते नजर आ रहे हैं ग्राम पंचायत सचिव,आज ग्राम पंचायतों की हालत क्या है जिले में किसी से छिपा नहीं है वहीं ग्राम पंचायत सचिवों की जिंदगी किस तरह चकाचौंध वाली बन चुकी है देखा जा सकता है,गरीबों के लिए जिन्हें काम करना था गरीबी मिटाने के लिए जिन्हें शासन की योजनाओं को जमीन पर उतारना था वह खुद के विकास के लिए इतने आतुर हुए कि वह स्व विकास लक्ष्य से साथ काम करते रहे और धनाढ्य बनते चले गए, आज कम वेतन पाने वाले ग्राम पंचायत सचिवों की आर्थिक स्थिति कैसे सुदृढ़ हुई इसका आंकलन यदि करना हो तो केवल उनका आंकलन इसी आधार पर हो जाएगा कि वह महंगी गाड़ियों में चलते हैं और उनके घर आलीशान हो चुके हैं सर्व सुविधायुक्त हो चुके हैं,एक एक ग्राम पंचायत सचिव कई गाड़ियों का महंगी गाड़ियों का शौक पाल रहा है घर महंगे से महंगे बनवा रहा है वहीं जिन ग्रामों में वह ग्राम विकास और सुविधा के लिए कोई निर्माण कार्य करा रहा है वह धराशाई या तो हो रहा है या जर्जर होता जा रहा है,कई जगह तो बिना निर्माण आहरण भी हो रहा है और जिम्मेदार मौन हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो ग्राम पंचायत सचिवों के मामले में जिला प्रशासन आत्म समर्पण कर चुका है और उन्हें मनमानी की भी छूट है और उन्हें किसी कार्यवाही का भय इसलिए नहीं है क्योंकि भ्रष्टाचार का पहला पायदान वही हैं और जिससे चढ़कर ही आगे अन्य को बढ़ना है और कुछ उन्हीं से पाना है।

युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने बताया कि, युक्तियुक्तकरण के खिलाफ आम आदमी पार्टी द्वारा आज 11 जुलाई 2025 को मनेंद्रगढ़-चिरमिरि-भरतपुर जिले के भरतपुर ब्लॉक में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार शिक्षा नीति के मोर्चे पर विफल रही है। युक्तियुक्तकरण के नाम पर हज़ारों स्कूलों को बंद कर देने के बाद कई स्कूल शिक्षक विहीन हो गए हैं। 63 हजार शिक्षकों के पदों को भरने में नाकाम रही है सरकार,नाकामी छुपाने 10 हजार स्कूल बंद कर दिया गया ताकि छत्तीसगढ़ के युवाओं को नौकरी नहीं देना पड़े इसलिए युक्तियुक्तकरण किया गया है। युवाओं और छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी विरोध जताती है। रमाशंकर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों को आपस में मिलाया गया, शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया और कई छोटे स्कूलों को बंद किया गया। लेकिन वास्तविकता में इसके नतीजे कई जगहों पर नकारात्मक साबित हुए। युक्तियुक्तकरण के तहत जब दो स्कूलों को मिलाया गया,तो कई छात्रों को अब 3-5 किमी दूर स्कूल जाना पड़ रहा है। इससे खासकर बालिकाओं की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। जहाँ एक ओर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया,वहीं कई स्कूल ऐसे रह गए जहाँ विषय विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। रमाशंकर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा की बदहाल व्यवस्था देख लीजिये की बच्चों को पढ़ाई लिखाई छोड़कर प्रदर्शन करना पड़ रहा है? बस्तर, सरगुजा,कांकेर जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में छात्र संख्या में गिरावट और स्कूल से ड्रॉपआउट दर में इज़ाफ़ा देखा गया है। दंतेवाड़ा में एक स्कूल को 7 किमी दूर स्थानांतरित किया गया, जिससे बच्चे आना बंद कर दिए हैं! गांव के एक स्कूल में तो शिक्षक ना होने के कारण बच्चों ने खुद स्कूल में ताला लगा दिया। आम आदमी पार्टी राज्य सरकार से मांग करती है कि,इस युक्तियुक्तकरण को सरकार तुरंत रद्द करे और यदि निर्धारित समय सीमा में शिक्षा में सुधार नहीं होता है तो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावित जनता के साथ मिलकर इससे भी बड़ा आंदोलन किया जायेगा। इस दौरान कोरबा लोकसभा उपाध्यक्ष, कृषि स्थायी समिति सभापति व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुखमंती सिंह,मनमोहन सांधे,रज्जू सिंह,गुलाबिया सिंह,अन्नू ध्रुव,लीलावती सिंह,राजीव गुप्ता,राजेन्द्र सिंह,हरिशंकर सिंह,रामनारायण बैगा,बैजनाथ यादव,अजय कुशवाहा, रामप्रवेश साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फूलों से सजी थाल से पुष्पवर्षा,माथे में तिलक,चरण वंदना फिर शाल,श्रीफल,मिठाई और मोमेंटो से हुआ गुरुओं का सम्मान

उक्त कार्यक्रम में सम्मानित हुए गुरु

उक्त कार्यक्रम में सम्मानित गुरुओं, वरिष्ठजनों में कैलाश पाण्डेय, यशवंत सिंह, भागवत दुबे, झारोलिया जी, कृष्णा मैम,प्रणव चक्रवर्ती,जगन्नाथ मंदिर के महंत,कथा वाचक मिथलेश जी,हरिकांत अग्निहोत्री,राजेंद्र पटेल, राजेंद्र शुक्ला,राम नरेश सिंह, साधुराम बेलबंशी,तरुण शर्मा,डीके उपाध्याय शामिल रहे वही कार्यक्रम को सफल बनाने अनिल केशरवानी, द्वारिका जायसवाल,राहुल सिंह, रीत जैन,कीर्ति वासो,संतोष सिंह,रघुनंदन यादव,गौरी हाथगेन,इंदु पनेरिया,रीता आइच सहित जिला भाजपा के पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता, नगर निगम चिरमिरी के एमआईसी, पार्षदगण की अहम भूमिका रही।

भाव विभोर हुए मंत्री तो गुरुओं ने दिया आशीर्वाद

-संवाददाता-

चिरमिरी,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

गुरु शिष्य की परंपरा का प्रतीक गुरु पूर्णिमा पर भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई एमसीबी ने एक ऐतिहासिक पहल की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी ने जिले के स्थानीय गुरुओं को एक मंच में लाकर चरण वंदना,पूजन और सम्मान स्वरूप शाल,श्रीफल,मिठाई और मोमेंटो भेंट किया। ज्ञात हो कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चिरमिरी के हल्दीबाड़ी एनसीपीएच क्लब में आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव 2025 गुरु पूजन,गुरु सम्मान समारोह में शामिल हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री भावुक हो गए, दरअसल गुरु पूजन कार्यक्रम में पधारे गुरुओं में कई गुरुओं के सानिध्य में मंत्री जी ने ज्ञान का अर्जन लिया था। इस दौरान श्री जायसवाल पधारे समस्त गुरुओं की चरण वंदना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने अनेक उदाहरणों से गुरु-शिष्य परंपरा को किया रेखांकित

कार्यक्रम में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गुरु नहीं तो ज्ञान नहीं,और ज्ञान के बिना मानवता का कोई अस्तित्व नहीं। उन्होंने संत कबीर की अमर वाणी गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए का उल्लेख करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताई और कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भारतीय मूल्यों और परंपराओं से जुड़ने को कहा है। उन्होंने ब्रिटिश काल की शिक्षा नीति की आलोचना करते हुए कहा कि लॉर्ड मैकाले की नीतियों ने हमारे महापुरुषों को इतिहास से हटाकर विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन किया। लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत हमारे गौरवशाली नायकों जैसे चंद्रगुप्त मौर्य, सम्राट अशोक, शिवाजी महाराज, अहिल्याबाई होलकर जैसे महान विभूतियों को शिक्षा के केंद्र में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि आत्मनिर्भरता, नवाचार और सांस्कृतिक जागरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। श्री जायसवाल ने आगे कहा कि आज का दिन भारत के लिए बेहद खास है और इससे बड़ा दिन कोई हो ही नहीं सकता है क्योंकि गुरुओं का स्थान भगवान से भी ऊपर है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को मर्यादित गुरुओं के ज्ञान ने किया,नटखट कृष्ण को गुरु का ही सानिध्य रहा जो नारायण बना दिया। गुरु के बिना ज्ञान का संचार नहीं हो सकता।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

फ़ोन: 07775-266048 E-mail ID: ee-res.surajpur@gov.in

'' निविदा आमंत्रण सूचना''

क्रमांक /1159/वलेलि/ग्रा.या.से./2025-26 सूरजपुर दिनाँक 10/07/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''डी'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल/विद्युत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि सत्य सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोष्ट से जमा करने की तिथि
1	2	3	4	5
1	Zonal tender under Janpad Panchayat Surajpur, Ramanujnagar, Bhaiyathan and Odgi Distt-Surajpur (CG) (Part-2)	4000000.00	25.07.2025	28.07.2025 17.30 pm
2	Construction of Fish seed culture Pond near Government Nursery khorma JP Pratappur	4984899.00	25.07.2025	28.07.2025 17:30 pm

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 10.07.2025 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ प्राप्त की जा सकती है।

जी-नंबर-252602128/2

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग सूरजपुर, जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
मामले की श्रेणी:राजस्व

संदर्भ:-जिला-सरगुजा तहसील-अम्बिकापुर प.ह.न.-00028 धनगवा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-CG-2025-26-182-1-1304

// ईश्तहार //

तहसील अम्बिकापुर के प.ह.न. 00028 के अंतर्गत ग्राम धनगवा के वर्तमान भूमिस्वामी शिव प्रसाद पिता/पति-मनराज,पता-हाउस न0 20 गोंड़परा धनगांव तह अंबिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 82 (0.1540),83/2(0.3280), 84(0.1740),103(0.0770), 102(0.4700),105(0.0850), 107(0.3200), 117 (0.0490) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता कुलवन्त खलको पिता/पति-मानुएल खलखो पता-बिशुनपुर पोस्ट राघवपुरी तह अम्बिकापुर जिला सरगुजा बलवंत खलखो पिता/पति-मानुएल खलखो पता-बिशुनपुर पोस्ट राघवपुरी तह अंबिकापुर जिला सरगुजा, विलोकन खलखो पिता/पति-मानुएल खलखो पता-विशुनपुर पोस्ट राघवपुरी तह अम्बिकापुर जिला सरगुजा के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 21/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
सील
Tehsildar Ambikapur
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0-. 20250702170007/ अ-6/2024-25

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलेश कुमार अग्रवाल आ. स्व. जयनारायण अग्रवाल, निवासी खरसिया रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम श्रीगढ़ स्थित भूमि खसरा नंबर 162/2 रकबा 0.012 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपंजीबद्ध वसीयतनामा दिनांक 19.08.2018 को निष्पादित वसीयत के आधार पर वसीयतकर्ता जयनारायण अग्रवाल आ. बलेदव राम अग्रवाल का नाम विलोपित कराकर, अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/07/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 01/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0.../.../ 2024-25

ग्राम-सूरजपुर तहसील-सूरजपुर

// ईश्तहार //

आम इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण जनता/ संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश कुमार गुप्ता आ. राममकिशुन गुप्ता, निवासी वार्ड नम्बर 07, वकील कॉलोनी सूरजपुर, थाना सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर, (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर, (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 1821/1 रकबा 436 वर्गफुट, 1821/2 रकबा 1089 वर्गफुट, 1822/1 रकबा 686 वर्गफुट, 1822/2 रकबा 218 वर्गफुट भूमि योग प्लाट 04 योग रकबा 2429 वर्गफुट स्थित है। विक्रेता को रूपयो की आवश्यकता है एवं राशि की कही अन्यत्र से व्यवस्था नहीं होने के कारण आवेदक/विक्रेता उपरोक्त भूमि को अनावेदक को विक्रय करने की अनुमति प्रदान करने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/ लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 15.07.2025 तक न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से आदेश पारित एवं उद्घोषित।

सील
नजूल अधिकारी
सूरजपुर,जिला
सूरजपुर,(छ.ग.)

मनेंद्रगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में नई सौगात,चैनपुर में बनेगा जवाहर नवोदय विद्यालय

11.8 हेक्टेयर भूमि का हुआ चिन्हांकन

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,12 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ अब स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है। क्षेत्रवासियों के लिए एक और बड़ी सौगात के रूप में जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। चैनपुर में इस विद्यालय के लिए 11.8 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निरंतर प्रयासों से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। उनके नेतृत्व में मनेंद्रगढ़ को पहले ही मेडिकल कॉलेज जैसी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा मिल चुकी है, और अब शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति की शुरुआत हो रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना से अब जिले के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण

शिक्षा अपने ही जिले में मिल सकेगी। उन्हें उच्च स्तर की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे अभिभावकों की चिंता भी कम होगी और विद्यार्थियों का समग्र विकास संभव होगा। यह कदम मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और आने वाले वर्षों में यहां की नई पीढ़ी को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा।

ऋषभ पंत ने चकनाचूर किया धोनी का रिकॉर्ड

लॉर्ड्स, 12 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अब तक टीम इंडिया की तरफ से कप्तान शुभमन गिल के अलावा उपकप्तान ऋषभ पंत के बल्ले का कमाल देखने को मिला है। लॉर्ड्स में खेले जा रहे इस टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले के दूसरे दिन के खेल में टीम इंडिया के कप्तान गिल सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए तो वहीं दिन का खेल खत्म होने पर पंत जरूर 19 रन बनाकर नाबाद थे। पंत इसी के साथ टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी का एक रिकॉर्ड चकनाचूर भी करने में कामयाब हो गए। ऋषभ पंत का बल्ले से अब तक इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में 2 शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी देखने को मिल चुकी है। वहीं लॉर्ड्स टेस्ट मैच में पंत दूसरे दिन के खेल में 19 रनों की अपनी नाबाद पारी के दम पर इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम पर था, जिन्होंने साल 2014 में इंग्लैंड के दौरे पर कुल 349 रन बनाए थे। इससे पहले पंत ने साल 2021 के इंग्लैंड के दौरे पर 349 रन बनाकर धोनी के इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी, लेकिन इस बार वह इसे तोड़ने में कामयाब रहे।

लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन पंत के पास बड़ा कारनामा करने का मौका

टीम इंडिया के लिए स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत को लॉर्ड्स टेस्ट मैच के पहले दिन के खेल के पहले सेशन में जसप्रीत बुमराह की लेग स्टंप के बाहर जाती एक गेंद को पकड़ने के प्रयास में तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी,जिसके चलते वह इंग्लैंड टीम की पहली पारी में फिर विकेटकीपिंग करने के लिए वापस नहीं लौटे। वहीं दूसरे दिन जब पंत बल्लेबाजी करने उतरे तो वह शोएब बशीर की एक गेंद खेलने के बाद काफी दर्द में भी दिखाई दिए थे। हालांकि इसके बावजूद पंत पर तीसरे दिन बड़ी पारी खेलने की जिम्मेदारी रहेगी, ऐसे में वह यदि शतकीय पारी खेलने में कामयाब होते हैं तो इंग्लैंड में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर और दिलीप वेंगसरकर को पीछे छोड़ देंगे, जिसमें दोनों के नाम 4-4 शतकीय पारी इंग्लैंड में दर्ज है।

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज

ऋषभ पंत - 361 रन (साल 2025)
एमएस धोनी - 349 रन (साल 2014)
ऋषभ पंत - 349 रन (साल 2021)

दीप्ति ने पैरा एथलेटिक्स में जीता स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 12 जुलाई 2025। तेलंगाना की दीप्ति जीवनजी ने बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ (टी11, 12, 12 और टी 20) में 56.70 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। गुजरात की दामोर तेजल अमराजी (58.70 सेकंड) और हरियाणा की भुवी अग्रवाल (1:09.60 सेकंड) ने पोडियम स्थान हासिल किया। पुरुषों की भाला फेंक (टी 12 और टी64) में, दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरियाणा के सुमित अंतिल ने 72.25 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। उनके हमवतन मंजीत ने 54.56 मीटर के सराहनीय प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएससीबी के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। टी 40 और टी 41 भाला फेंक वर्ग में, हरियाणा का स्वर्णिम अभियान जारी रहा जब पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा के ही प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेंद्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ पोडियम स्थान हासिल किया।

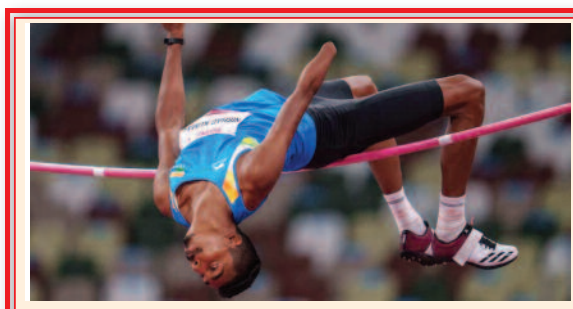

पैरा राष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में एपी पैरा एथलीटों का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 जुलाई 2025। आंध्र प्रदेश के पैरा एथलीटों ने बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित पैरा राष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीते। पुरुष वर्ग में आर रवि ने गोला फेंक (टी 40 श्रेणी) में स्वर्ण, के यादगिरी ने गोला फेंक (टी 54 श्रेणी) में रजत, जी वेंकटेश्वरलु ने 100 मीटर (टी42) में रजत, बी श्रीहरि ने लंबी कूद (टी 13) में कांस्य और एम लोकेश ने ऊँची कूद (टी 42) में कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में, वी भवानी-जिन्होंने पिछले सप्ताह चेक गणराज्य में आयोजित पैरा विश्व एथलेटिक्स मीट में दो स्वर्ण पदक जीते थे ने 100 मीटर में रजत और टी 46 श्रेणी में लंबी कूद में कांस्य पदक जीता।

टी 20 सीरीज के लिए अचानक स्क्वॉयड में हुआ बड़ा बदलाव

» टीम में हुई 2 प्लेयर्स की एंट्री

जमैका, 12 जुलाई 2025। ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी वेस्टइंडीज के दौरे पर है, जहां पर वह मेजबान टीम के खिलाफ 3 टेस्ट और 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलने पहुंची है। कंगारू टीम ने टेस्ट सीरीज के जहां शुरुआती 2 मैचों को जीतकर सीरीज में पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर ली है तो वहीं उसे तीसरा मुकाबला पिंक बॉल से 13 जुलाई को खेलना है। इस सीरीज के खत्म होने के बाद दोनों टीमों के बीच 20 जुलाई से 5 मैचों की टी20 सीरीज का आगाज होगा जिसका पहला मुकाबला जमैका के सबाइना पार्क में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने इस टी20 सीरीज के लिए पहले ही अपनी 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया था, जिसमें अब उन्होंने 2 बदलाव का भी ऐलान किया है।

जैक फ्रेजर मैकगर्क और जेवियर बार्टलेट की हुई एंट्री

वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए जब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था तो उसमें जोश हेजलवुड और स्पेंसर जॉनसन को जगह मिली थी। वहीं अब इन दोनों ही प्लेयर्स की जगह पर उन्होंने ओपनिंग बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को शामिल करने का फैसला लिया है। फ्रेजर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अब तक नेशनल कॉन्ट्रेक्ट नहीं मिला है, वहीं उनकी कोशिश इस टी20 सीरीज के जरिए बेहतर वापसी करने पर होगी। वहीं जोश हेजलवुड टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद वापस ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे जहां पर वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली सीरीज की तैयारी करेंगे। इसके अलावा स्पेंसर जॉनसन अब तक अपनी बैक इंजरी से पूरी तरह रिकवर नहीं कर पाए हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी 20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉयड

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, जोश इंगलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया की नजर टी 20 वर्ल्ड कप की तैयारी पर

साल 2026 की शुरुआत में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जिसकी तैयारियों को ध्यान में रखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टी20 सीरीज में खेलने उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया की ये इस साल पहली टी20 सीरीज जिसमें उन्होंने साल 2024 में टी20 फॉर्मेट में कुल 21 मुकाबले खेले थे, जिसमें से वह 17 मैचों को जहां जीतने में कामयाब हुए थे तो वहीं सिर्फ 4 मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

एमआई ने सुपर किंग्स को दी मात

फाइनल में अपनी जगह को किया पक्का

न्यूयॉर्क, 12जुलाई 2025। मेजर क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन का फाइनल मुकाबला वॉशिंगटन फ्रीडम और मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क की टीम के बीच खेला जाएगा। इस सीजन का पहला क्वालीफायर मुकाबला बारिश के चलते रद्द होने के बाद वॉशिंगटन फ्रीडम की टीम ने सीधे खिताबी मैच के लिए अपनी जगह को पहले ही पक्का कर लिया था। वहीं 12 जुलाई की सुबह खेले गए चैलेंजर मैच में एमआई न्यूयॉर्क और टेक्सस सुपर किंग्स की भिड़ंत हुई, जिसे एमआई ने 7 विकेट से अपने नाम किया।

निकोलस पूरन और पोलार्ड ने मिलकर दिलाई एकतरफा जीत

फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी में खेल रही टेक्सस सुपर किंग्स की टीम ने चैलेंजर मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 166 रनों का स्कोर बनाया था।

इस मैच में एमआई न्यूयॉर्क की टीम जब टारगेट का पीछा करने उतरी तो उसने 43 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से मोनांक पटेल और कप्तान निकोलस पूरन ने रन गति को धीमे नहीं होने दिया, जिसमें मोनांक के बल्ले से 39 गेंदों में 49 रनों की पारी देखने को मिली।

एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने जब 83 के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट गंवाया तो उसके बाद बल्लेबाजी करने कायरन पोलार्ड उतरे जिसमें उन्होंने पूरन के साथ मिलकर तेजी से रन बनाते हुए टेक्सस सुपर किंग्स को इस मुकाबले में किसी तरह से वापसी का कोई मौका नहीं दिया। पूरन और पोलार्ड के बीच चौथे विकेट के लिए सिर्फ 40 गेंदों में 89 रनों की साझेदारी देखने को मिली, जिसमें पूरन ने जहां 36 गेंदों में 52 रनों की नाबाद पारी खेली तो वहीं पोलार्ड के बल्ले से 22 गेंदों में 47 रनों की पारी देखने को मिली। एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने 167 रनों के टारगेट को 19 ओवर्स में हासिल करने के साथ फाइनल में अपनी जगह को पक्का किया।

लीग स्टेज में वॉशिंगटन फ्रीडम से मिली थी दोनों मैचों में मात

एमएलसी 2025 का फाइनल मुकाबला 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 पर खेला जाएगा। एमआई न्यूयॉर्क के लिए ये खिताबी मैच आसान नहीं रहने वाला है क्योंकि उन्होंने इस सीजन लीग स्टेज में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ खेले दोनों ही मैचों में हार का सामना किया है। पहले मुकाबले में जहां उन्हें 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं दूसरे मैच को उन्होंने 6 विकेट से गंवाया था, ऐसे में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान निकोलस पूरन के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

विंबलडन 2025 के फाइनल में दिखेगा जबरदस्त रोमांच

खिताब के लिए भिड़ेंगे सिनर और अल्काराज

वाशिंगटन, 12जुलाई 2025। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर रविवार को जब विंबलडन 2025 के मेन्स सिंगल्स फाइनल के लिए दो दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आमने-सामने होंगे, तो रोमांच अपने चरम पर होगा। जहां स्पेन के कार्लोस अल्काराज लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे, वहीं दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पहली बार विंबलडन ट्रॉफी उठाने का सपना लेकर कोर्ट में कदम रखेंगे। इस फाइनल मुकाबले में वही मुकाबला दोहराया जाएगा, जो करीब पांच हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में हुआ था। तब अल्काराज ने शुरुआती दो सेट हारने के बाद वापसी करते हुए सिनर को हराया था। उस मैच में उन्होंने तीन मैच प्वाइंट भी बचाए थे और मुकाबला 5 घंटे 29 मिनट तक चला था। फर्क सिर्फ इतना होगा कि उस दिन मुकाबला

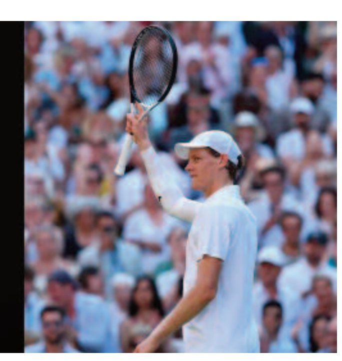

क्ले कोर्ट पर था, जबकि अब यह मुकाबला ग्रास कोर्ट पर होगा।

सेमीफाइनल में दोनों का दमदार प्रदर्शन

विंबलडन 2025 के पहले सेमीफाइनल में अल्काराज ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट कटाया।

अल्काराज और सिनर के बीच अब तक का रिकॉर्ड

दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 12 बार भिड़ंत हो चुकी है,जिसमें अल्काराज ने 8 मुकाबले जीते हैं, जबकि सिनर को 4 बार सफलता मिली है। खास बात ये है कि अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांचों मैचों में जीत दर्ज की है। वहीं ग्रैंड स्लैम फाइनल में भी अल्काराज का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अब तक पांच फाइनल खेले और सभी में जीत दर्ज की है।अल्काराज ने पिछले फाइनल को याद करते हुए कहा कि यह अब तक का उनका सबसे कठिन मुकाबला था। वह चाहते हैं कि इस बार इतना लंबा मुकाबला न हो, लेकिन जरूरत पड़ी तो वह इसके लिए तैयार हैं। वहीं, सिनर ने भी इस मुकाबले को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला भी फ्रेंच ओपन की तरह रोमांचक होगा। हालांकि उससे बेहतर होना मुश्किल है, लेकिन वह अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

फाइनल का इंतजार

13 जुलाई को होने वाले इस महामुकाबले का टेनिस प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक ओर जहां अल्काराज खिताबी हैट्रिक के करीब हैं, वहीं सिनर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करने के इरादे से उतरेंगे।

सिला का नया पोस्टर आया सामने

अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने अपकमिंग फिल्म सिला' का नया मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी किया। पोस्टर में अभिनेता खून से लथपथ हाथ में हथियार लिए दिखे।अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिला का नया मोशन पोस्टर शेयर किया, इस पोस्टर में अभिनेता बेहद गंभीर और खतरनाक अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्हें खून से लथपथ हालत में एक हथियार पकड़े हुए देखा जा रहा है, उनके ठीक पीछे आग का एक बड़ा गोला दिखाई दे रहा है,जो फिल्म में होने वाले धमाकेदार एक्शन की

ओर इशारा करता है। उन्होंने पोस्टर शेयर कर कैप्शन में लिखा, इश्क में सुकून,जंग में जुनून,खुद में तूफान, विराट उसका नाम। सिलाफैंस को ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है, यूजर्स उन्हें कमेंट करके हार्ट, फायर जैसे इमोजी भेज रहे हैं।हर्षवर्धन राणे अभिनीत फिल्म सिला' का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता के साथ मुख्य भूमिका में सादिया खातीब है। दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। फिल्म में बिग बॉस 18 के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आएंगे। वह फिल्म में खलनायक के किरदार में दिखेंगे। हर्षवर्धन राणे और करण वीर मेहरा स्क्रीन पर कट्टर दुश्मन के रूप में दिखेंगे।जी स्टूडियोज की एक्शन से भरपूर फिल्म में सारेगामा ने म्यूजिक लेबल दिया है। इस फिल्म को ओमंग कुमार के साथ उमेश के.आर. बंसल, प्रगति देशमुख, हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह, अभिषेक अंकुर और कैप्टन राहुल बाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, राहत शाह काजमी इस फिल्म के सह-निर्माता हैं।अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्होंने फिल्म एक दीवाने की दीवानियत' की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म में उनके साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने बताया कि पहले फिल्म का टाइटल सिर्फ दीवानियत था, लेकिन फिल्म की कहानी और उसका नया अंदाज टाइटल से मेल नहीं खा रहा था। जिसके बाद उसका नाम बदलकर एक दीवाने की दीवानियत रख दिया गया।

बॉलीवुड का वो खतरनाक विलेन,जिसने 50 साल तक फिल्मों में किया काम

इस दिग्गज अभिनेता ने अपनी यात्रा श्वेत-श्याम फ्रेम से शुरू की और कम समय में ही वे सबसे खतरनाक विलेन बन गए। लेकिन, इस खौफनाक चेहरे के पीछे एक दमदार कलाकार छिपा था, जिसने विभिन्न किरदारों में अपने अभिनय से बेजोड़ सम्मान कमाया। वहीं, जब बात बॉलीवुड के सबसे खतरनाक और यादगार खलनायकों की हो, तो इस मशहूर विलेन का नाम सबसे पहले आता है। उन्हें हिंदी सिनेमा का विलेन ऑफ द मिलेनियम कहा जाता है। इनकी 12 जुलाई को डेथ एनिवर्सरी है। साल 1940 से 1990 के दशक तक उनकी खलनायकी ने दर्शकों को खूब डराया है, जिसका खौफ आज भी लोगों के बीच देखने को मिलता है।

कौन थे ये मशहूर बॉलीवुड विलेन?

यहां हम बात कर रहे हैं प्राण के नाम से मशहूर स्वर्गीय प्राण कृष्ण सिकंदर अहलूवालिया का नाम की, जिन्हें भारतीय सिनेमा का सबसे खतरनाक खलनायक की उपाधि दी गई और उन्होंने अपने छह दशक लंबे करियर में 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। 1940 से 1990 के दशक तक, उनकी खलनायकी ने दर्शकों को डरा दिया, वहीं उनकी सहायक भूमिकाओं ने भी लोगों का दिल जीत लिया। प्राण अभिनय में इतने डूब जाते थे कि पर्दे पर उनका अभिनय देखकर लोग उन्हें कोसने लगते थे कि यह रोल इतना बुरा क्यों है। प्राण का जन्म 12 फरवरी, 1920 को लाहौर में हुआ था और वे दिल्ली के बल्लीमारान में एक समृद्ध पंजाबी हिंदू परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता, केवल कृष्ण सिकंद, एक सिविल इंजीनियर और सरकारी ठेकेदार थे। प्राण ने अपनी शिक्षा मेरठ, देहरादून, कपूरथला और रामपुर जैसे शहरों में की।

प्राण का शानदार करियर

फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले प्राण ने लाहौर में एक फोटोग्राफर के रूप में अपना करियर शुरू किया। 1938 में शिमला की रामलीला में सीता की भूमिका निभाने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। उनकी पहली पंजाबी फिल्म यमला जट थी, जो 1940 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में प्राण ने खलनायक की भूमिका निभाई थी। लेकिन, 1942 में रिलीज हुई फिल्म खानदान से वे हिंदी सिनेमा में नायक बन गए। प्राण 1947 में विभाजन के बाद मुंबई आ गए और जिद्दी से बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई। प्राण ने 1950 और 60 के दशक में उनका जबरदस्त खौफ देखने को मिला है। मधुमती (1958), जिस देश में गंगा बहती है (1960), राम और श्याम (1967) जैसी फिल्मों में उनके दमदार किरदार ने लोगों का दिल जीत लिया। उनकी भारी आवाज और रौबदार अंदाज ने उन्हें मशहूर खलनायक बना दिया।

बॉलीवुड का सबसे महंगा विलेन

प्राण 1969 से 1982 तक बॉलीवुड के सबसे महंगे अभिनेताओं में से एक रहे। उन्होंने 1973 में आई फिल्म जंजीर के लिए निर्माता प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया, जिसने अमिताभ का करियर चमका दिया। बता दें कि 1997 में उन्हें फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और 2000 में स्टारडस्ट का विलेन ऑफ द मिलेनियम अवार्ड मिला। 2001 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 2013 में उन्हें भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार उनके घर पर ही प्रदान किया गया। इस महान अभिनेता ने 12 जुलाई 2013 को 93 वर्ष की आयु में मुंबई के लीलावती अस्पताल में इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

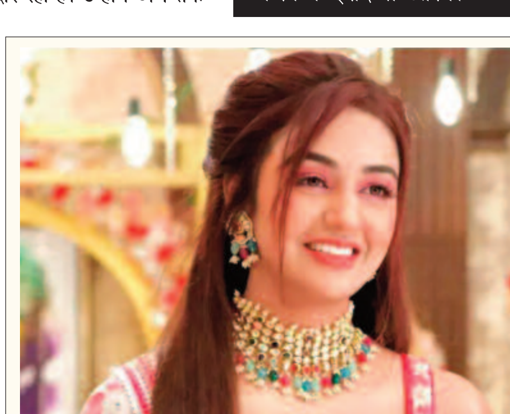

मुझे टाइपकास्ट होने का डर नहीं : कविता बनर्जी

अभिनेत्री कविता बनर्जी, जो इस समय टीवी शो दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी में कर्ण मोहिनी के रूप में नजर आ रही हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें विलेन के रूप में टाइपकास्ट होने का डर नहीं है।अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें विलेन का रोल अदा करना काफी चुनौतीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने भारतीय टीवी को देखा है, तो आप जानते होंगे कि एक्टर्स को कितनी जल्दी एक खास इमेज दे दी जाती है। अगर आप दो शो में लगातार विलेन का रोल निभा चुके हैं, तो लोग आपको विलेन एक्टर कहने लगते हैं।कविता ने कहा कि अगर आप पॉजिटिव से निगेटिव रोल में जाते हैं, तो यह टैग इतना नहीं लगता। लेकिन अगर आप अपने करियर की शुरुआत नेगेटिव किरदारों से करते हैं, तो लोग आपको एक विलेन एक्टर कहने लगते हैं।अभिनेत्री ने शो में अपने किरदार पर बात करते हुए बताया कि उनका कर्ण मोहिनी सिर्फ एक सामान्य विलेन का रोल नहीं है, वह एक बड़ा, भव्य और शक्तिशाली किरदार है।एक खास इमेज में बंधने के बारे में पूछे जाने पर कविता ने कहा, मुझे टाइपकास्ट होने का डर नहीं है।

स्वच्छता में छत्तीसगढ़ ने परचम लहराया

सात नगरीय निकाय होंगे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित...

रायपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर साबित किया है कि वह स्वच्छता के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के तहत राज्य के सात नगरीय निकायों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह सम्मान समारोह 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होगा,जिसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे।

रायपुर को मिलेगा मिनिस्ट्रियल अवार्ड

राजधानी रायपुर नगर निगम को स्वच्छता के क्षेत्र में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्रियल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। रायपुर लंबे समय से स्वच्छता में नवाचारों और जनभागीदारी के लिए पहचाना जाता रहा है।

इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का चयन हुआ है...

अंबिकापुर नगर निगम (50 हजार से 3 लाख आबादी)
पाटन नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी)
बिश्रामपुर नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी)
इन तीनों शहरों ने लगातार स्वच्छता को प्राथमिकता दी और इसे जनआंदोलन में बदल दिया।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सातों नगरीय निकायों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, स्थानीय निकायों और राज्य के नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने कहा छत्तीसगढ़ के लिए यह गर्व का विषय है। हमारे शहरों ने स्वच्छता में जो मिसाल पेश की है, वह अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को स्वच्छ, सुंदर और सुविधासंपन्न बनाने के लिए सतत कार्य कर रहे हैं।

तीन निकायों को मिलेगा प्रेसिडेंट्स अवार्ड

इस प्रतिष्ठित समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसिडेंट्स अवार्ड मिलेगा।बिलासपुर नगर निगम को तीन लाख से दस लाख की आबादी वाले बड़े शहरों की श्रेणी में यह सम्मान मिलेगा।कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार की आबादी वाले छोटे शहरों की श्रेणी में चुना गया है।बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले अतिलघु शहरों की श्रेणी में यह पुरस्कार प्राप्त होगा।

नवाचार और भागीदारी की मिसाल बना छत्तीसगढ़

राज्य में स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नवाचार,जनसहभागिता, और स्थानीय स्वशासन की भूमिका ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण,स्रोत पर कचरा पृथक्करण,स्वच्छता ऐप्स के ज़रिए निगरानी,और जनजागरूकता अभियानों से छत्तीसगढ़ ने एक स्वच्छता मॉडल खड़ा किया है। छत्तीसगढ़ का यह सम्मान सिर्फ़ पुरस्कार नहीं, बल्कि एक स्थायी स्वच्छता संस्कृति की पहचान है। सात नगरीय निकायों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन यह दर्शाता है कि राज्य नीतियों,भागीदारी और नवाचारों के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान को एक नई दिशा देने में अग्रणी बना हुआ है। आने वाले वर्षों में यह उपलब्धियाँ और बढ़ने की पूरी संभावना है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

रोजगार मेला में 72 युवकों को नियुक्ति-पत्र सौंपा केंद्रीय राज्य मंत्री ने

रायपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। केंद्रीय अनुसूचित जनजाति मंत्री दुर्गादास उइके ने आज बेरोजगार मेला में बड़ी संख्या में युवकों को नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि मोदी के सपनों को साकार करने के लिए हम संकल्पबद्ध है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर डब्ल्यूआरएस कालोनी स्थित रेलवे कम्युनिटी हाल में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अनुसूचित जनजाति मंत्री दुर्गादास उइके ने मुख्य अतिथि की असंदी से कहा कि हम शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी देने के लिए संकल्पबद्ध है हम मोदी का सपना पूरा करेंगे।

राजनांदगांव जिले में एक ही दिन में मिले 10 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज

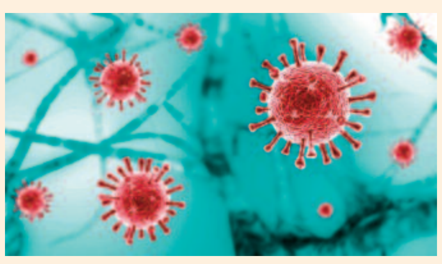

स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ाई सतर्कता...

राजनांदगांव,12 जुलाई 2025 (ए)। जिले में कोरोना वायरस ने एक बार फिर दहशत फैला दी है। जिले में एक ही दिन में 10 नए पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है और जांच का दायरा व्यापक कर दिया गया है। अब तक 48 लोगों की जांच की जा चुकी है, जिसमें से 10 पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से तीन मरीजों का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कोविड वार्ड में चल रहा है।

पंचों को प्लेटिना बाइक गिफ्ट कर बन गया उपसरपंच

रायगढ़,12 जुलाई 2025 (ए)। जनपद पंचायत बरमकेला अंतर्गत ग्राम पंचायत मारोदरहा में उप सरपंच पद को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार,

उप सरपंच बनने की चाह में एक पंच ने कथित रूप से दूसरे वार्ड के पंचों को प्लेटीना मोटरसाइकिल देकर अपने पक्ष में वोट डलवाए और उप सरपंच का पद हासिल कर लिया।

कुएं की सफाई के दौरान दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत

बिलासपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां कुएं की सफाई के दौरान दो सगे भाइयों की जान चली गई। यह हादसा कोटा ब्लॉक के ग्राम पंचायत करही कछार के डिपरापारा मोहल्ले में हुआ। जानकारी के अनुसार,डिपरापारा निवासी दिलीप पटेल शुक्रवार शाम अपने घर के कुएं की सफाई के लिए कुएं में उतरे थे। सफाई के दौरान दिलीप पानी में फंसकर डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए उनका छोटा भाई दिनेश पटेल भी कुएं में कूद गया। माना जा रहा है कि कुएं में ऑक्सीजन की कमी के कारण दोनों भाइयों की दम घुटने से मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ में जीएसटी की बड़ी कार्रवाई

25 ठिकानों पर एक साथ छापा,50 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ी गई

रायपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में राज्य जीएसटी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर, बिलासपुर, कोरबा,दुर्ग,रायगढ़ और जगदलपुर में एक साथ छापेमारी की। यह रेड गुटखा, कपड़े, ट्रांसपोर्ट,जूते और ड्रायफ्रूट जैसे कारोबारों से जुड़े कारोबारियों के दफ्तरों और गोदामों पर की गई।
छापा पड़ते ही कई जगहों पर अफरा-तफरी मच गई। जांच में सामने आया कि इन फर्मों ने करोड़ों का टर्नओवर दिखाया, लेकिन टैक्स न के बराबर या बिल्कुल नहीं भरा। दस्तावेजों की जांच में कई फर्मों द्वारा बोगस बिलिंग और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने का मामला उजागर हुआ है।
राज्य जीएसटी स्पेशल कमिश्नर टीएल ध्रुव ने साफ किया है कि टैक्स चोरी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग अब सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी पेनाल्टी के साथ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में है। करीब 10 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की पुष्टि के बाद सभी फर्म संचालकों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।
छापे के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ कारोबारियों के पास न तो अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर था और न ही पूरे लेन-देन का कोई रिकॉर्ड। सारा कारोबार कच्चे बिलों और फर्जी दस्तावेजों के दम पर चलाया जा रहा था।

मंत्री का काफिला चक्काजाम में फंसा

» पुलिस ने 12 छात्रों को किया गिरफ्तार, कांग्रेस ने की कार्रवाई की निंदा

» मनियारी नदी के जर्जर पुल की मरम्मत की मांग पर किया आंदोलन

बिलासपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। तखतपुर में जर्जर मनियारी पुल और खराब सड़कों के मरम्मत की मांग पर छात्रों ने चक्काजाम किया था। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के काफिले को भी रोक लिया गया था। अब इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया।

मंत्री को बदलना पड़ा अपना रास्ता

दरअसल मंत्री के काफिले को देखते ही छात्र सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने बिलासपुर से होकर मुंगेली की ओर जा रहे मंत्री के काफिले को आगे रवाना होने देने के लिए समझाने की कोशिश की, मगर छात्र नहीं हटे। आखिरकार मंत्री को रूट बदलकर जाना पड़ा।

बिलासपुर-जबलपुर हाईवे की हालत जर्जर

छात्रों का आरोप है कि बिलासपुर-जबलपुर हाईवे की हालत बारिश में इतनी खराब हो गई है कि यहां आए दिन हादसे हो रहे हैं। कुछ दिन पहले गैस सिलेंडर से भरी गाड़ी पलट गई थी, दोपहिया वाहनों में टक्कर हो गई थी। प्रशासन से कई बार गुहार लगाने के बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं हुई, इसलिए मजबूरी में उन्हें आंदोलन करना पड़ा।

सरकारी अस्पताल में प्रसूता के परिजनों से मिठाई के लिए 5000 रुपयों की मांग!

पुलिस ने की इन छात्रों की गिरफ्तारी

इस चक्काजाम के बाद तखतपुर पुलिस ने 12 छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें बादल निर्मलकर, इंद्राज सिंह ठाकुर, विरेंद्र ताम्रकार, राजू निर्मलकर, शैलेन्द्र मानिकपुरी, करन गोस्वामी, दीनू ठाकुर, अभय क्षत्री, दीपक यादव, अमर निर्मलकर, जयदीप श्रीवास और रवि श्रीवास शामिल हैं। इन में से कई छात्र अभी पढ़ाई भी कर रहे हैं।

कांग्रेस ने की आलोचना

कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पांडेय ने कहा कि सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए छात्रों पर केस कर रही है। जनता जल्द ही इस दमनकारी रवैये का जवाब देगी।

हाईकोर्ट ने 74 बच्चों को दिलाया न्याय

प्राइवेट स्कूलों को फिर से आरटीई के तहत देना होगा प्रवेश

बिलासपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। हाईकोर्ट के डिविज़न बेंच ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए आदेश पारित किया कि डीपीएस रिसाली, शंकराचार्य विद्यालय सेक्टर-10, एवं डीएवी हुडको माइलस्टोन से निष्कासित किए गए 74 विद्यार्थियों को आरटीई के तहत तत्काल प्रभाव से विद्यालय में पुनः अध्ययन की अनुमति दी जाए। बिलासपुर. हाई कोर्ट के डिविज़न बेंच ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए डीपीएस रिसाली,शंकराचार्य विद्यालय सेक्टर-10, एवं डीएवी हुडको माइलस्टोन से निष्कासित किए गए 74 विद्यार्थियों को तत्काल प्रभाव से विद्यालय में प्रवेश देने का निर्देश दिया है। इस आदेश के साथ ही कोर्ट ने डीईओ के आदेश को निरस्त कर दिया है।

बाबा साहेब अंबेडकर के पोस्टर पर कीचड़ फेंकने से नाराज बौद्ध समाज ने किया चक्काजाम

डोंगरगढ़,12 जुलाई 2025 (ए)। डोंगरगढ़ शहर के वार्ड नंबर 8, बधिया टोला में शुक्रवार रात एक आपत्तिजनक घटना हुई, जिसने स्थानीय लोगों को आक्रोशित कर दिया। अज्ञात व्यक्ति ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के हाल ही में लगाए गए पोस्टर पर कीचड़ और गोबर फेंक दिया। यह खबर शनिवार सुबह फैलते ही बौद्ध समाज के लोग भारी संख्या में सड़क पर उतर आए और विरोध में चक्काजाम कर दिया।प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि बाबा साहेब का यह अपमान बर्दाश्त से बाहर है और जब तक दोषी की गिरफ्तारी नहीं होती, वे पीछे नहीं हटेंगे। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि समाज में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। सूचना मिलने पर नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और पानी डालकर पोस्टर को साफ किया। इसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी और आरोपी की पहचान कर उसे सजा दिलाई जाएगी।करीब दो घंटे तक चक्काजाम चला, जिसके बाद अधिकारियों के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ। हालांकि, घटना के बाद से वार्ड में तनाव का माहौल बना हुआ है।फिलहाल पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके।

छत्तीसगढ़ में व्यापारियों को राहत

पुराने टैक्स मामलों में छूट,जीएसटी नियमों में संशोधन

रायपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। राज्य में 10 साल से अधिक समय से लंबित वैट देनदारियों को खत्म करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत 25 हजार रुपये तक के पुराने टैक्स मामलों को माफ किया जाएगा, जिससे प्रदेश के करीब 40 हजार व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे करीब 62 हजार से अधिक कानूनी मुकदमों की संख्या भी घटेगी। यह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई हालिया मंत्रिपरिषद बैठक में लिया गया। इस बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक और बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप को मंजूरी दी गई। इन दोनों विधेयकों को आगामी विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक में जीएसटी कानून में भी कई अहम संशोधन को मंजूरी दी गई है...

आईजीएसटी रिवर्स चार्ज क्रेडिट वितरण की अनुमतिः-अब इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा प्राप्त रिवर्स चार्ज क्रेडिट को संबंधित ब्रांच में ट्रांसफर किया जा सकेगा। इससे जीएसटी में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जा सकेगा।

अपील के लिए डिपॉजिट में राहतः- जिन मामलों में केवल जुर्माने (पेनाल्टी) की बात है और टैक्स डिमांड शामिल नहीं है, उन मामलों में अपील करने के लिए जरूरी अग्रिम जमा राशि को 20त्न से घटाकर 10त्न कर दिया गया है।

वाउचर से जुड़े टैक्स नियमों में स्पष्टताः- टाइम ऑफ सप्लाई का प्रावधान हटाया गया है ताकि वाउचर से संबंधित कर नियमों में एकरूपता लाई जा सके, क्योंकि इससे जुड़े फैसलों में अलग-अलग राय देखने को मिली थी।

ट्रेस एंड ट्रैक सिस्टमः- तंबाकू जैसे हानिकारक उत्पादों के लिए निर्माण से लेकर बिक्री तक पूरे सप्लाई चेन पर निगरानी रखने के लिए ट्रेस एंड ट्रैक प्रणाली लागू की गई है।

विशेष आर्थिक क्षेत्रों को बढ़ावाः- वेयरहाउस में रखे सामानों की बार-बार बिक्री के बावजूद अगर उनका भौतिक स्थानांतरण नहीं हो रहा, तो ऐसे लेनदेन को जीएसटी से बाहर रखने का संशोधन भी किया गया है। इससे स्पेशल इकोनॉमी जोन को और अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

इन सभी बदलावों का मकसद इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना और व्यापारियों के लिए प्रक्रिया को आसान बनाना है।

कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन के अपहर्ता लोकेश समेत 23 नक्सलियों ने डाले हथियार

» पुलिस और सीआरपीएफ बल के सामने किया सरेंडर

सुकमा,12 जुलाई 2025 (ए)। सुकमा जिला पुलिस और सीआरपीएफ को शनिवार को अहम सफलता मिली है। 1 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। बताया गया है कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में कई हार्डकोर और शीर्ष श्रेणी के कैडर शामिल हैं, जिनमें लोकेश भी है जो वर्ष 2012 में तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन के अपहरण की साजिश में शामिल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीएलजीए बटालियन में सक्रिय 8 हार्डकोर नक्सली, डीव्हीसीएम 01, पीपीसीएम 06,एसीएम 04 और 12 अन्य पार्टी सदस्य भी इस आत्मसमर्पण में शामिल हुए। आत्मसमर्पित नक्सलियों में 09 महिलाएं और 14 पुरुष हैं, जिनमें 03 नक्सली दंपती भी हैं। यह एक संकेत है कि अब नक्सलियों के अंदरूनी ढांचे में भी भरोसा टूट रहा है और वे समाज की मुख्यधारा में लौटने को इच्छुक हैं।

6 साल पहले बाल मजदूरी,अब बंधुआ मजदूरी

एक ही कंपनी,नया मामला, 97 मजदूर रेस्क्यू,फिर भी एफआईआर नहीं...

रायपुर,12 जुलाई 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बार फिर मजदूरों के शोषण की शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। करीब छह साल पहले 2019 एक कंपनी के फेंचाइजी अधिकार वाली पार्ले फैक्ट्री से 27 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया था। अब उसी मालिकाना हक वाली खरोरा स्थित उमाश्री राइस मिल कैंपस में संचालित मोजो मशरूम फैक्ट्री से 97 मजदूरों को बंधुआ मजदूरी से छुड़ाया गया है,जिनमें महिलाएं,पुरुष और करीब 20 नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं।इन मजदूरों में महिलाएं,पुरुष और करीब 20 नाबालिग बच्चे शामिल हैं। महिला बाल विकास विभाग और बचपन बचाओ आंदोलन संस्था की संयुक्त कार्रवाई में ये मजदूर रेस्क्यू किए गए। मजदूरों का आरोप है कि उनसे 24-24 घंटे जबरन काम करवाया गया, मारपीट की गई, और न तो वेतन दिया गया, न बाहर निकलने की इजाजत।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)